

राहुल गांधी की ‘हटलीला’ अब हटधर्मिता की ओर!

दी पावली से ठीक एक सप्ताह पहले, एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली करने के राहुल गांधी के फैसले पर कांग्रेस में पुनर्विचार की कोई गुंजाइश नहीं दिखती। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, तेलंगाना और कर्नाटक सहित कांग्रेस शासित राज्यों और मजबूत संगठन वाली इकाइयों को दिल्ली में भीड़ जुटाने के लिए पूरी ताकत झोंकने के निर्देश हैं। राहुल गांधी के फैसले पर पार्टी में सवाल उठाने की गुंजाइश भी कम दिखाई देती है। बिहार में एक कार्यकर्ता ने ऐसे आयोजनों की उपयोगिता पर सवाल उठाया तो उसकी सार्वजनिक रूप से पिटाई किए जाने की खबर सामने आई। यह घटना कांग्रेस के आंतरिक लोकतंत्र पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

आंदोलन का घोषित मुद्दा मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाना है, लेकिन इसके पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाने का राजनीतिक लक्ष्य भी दिखाई देता है। पटना में मल्लिकार्जुन खड़गे का कथन कि ‘नरेंद्र मोदी तो क्या, इस आंदोलन से मोदी का बाप भी जाएगा’, इसी आक्रामक राजनीतिक रणनीति का संकेत देता है। दीपावली के दौरान कारोबार और आम लोगों की परेशानियों का हवाला देकर रैली टालने का अनुरोध भी स्वीकार नहीं किया गया। राहुल गांधी का कहना है कि मोदी, ज्ञानेश कुमार को हटा दें तो वे तीस सेंकड में रैली टाल देंगे। सवाल है कि क्या किसी संवैधानिक पदाधिकारी को हटाना राजनीतिक दबाव का विषय है? इसके लिए निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया अपनानी होती है। सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित होने के बीच निर्वाचन आयोग की दलीलों और इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित खबर के दावों की निष्पक्ष पड़ताल जरूरी है। किसी खबर को अंतिम सत्य मानकर अदालत के फैसले से पहले निष्कर्ष निकालना उचित नहीं। राहुल गांधी को अपने आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण भी प्रस्तुत करने चाहिए।

कर्नाटक में एसआईआर के दौरान एक करोड़ से अधिक नाम हटाए जाने की खबर भी सवाल खड़े करती है। यदि यह आंकड़ा सही है, तो कांग्रेस को स्पष्ट

स्पष्ट हो आंतरिक लोकतंत्र की स्थिति

राहुल गांधी चुनाव आयोग के खिलाफ आंदोलन चला रहे हैं, लेकिन क्या इस मुहिम के फैसले कांग्रेस के भीतर लोकतांत्रिक विचार-विमर्श से लिए गए? क्या वरिष्ठ नेताओं की राय का कोई महत्व है या राहुल गांधी का निर्णय ही अंतिम है? जिन वामपंथी विचारकों पर उनकी रणनीति को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं, उनकी भूमिका पर भी सवाल उठते हैं। देश के लोकतंत्र की रक्षा का दावा करने वाली कांग्रेस को पहले अपने आंतरिक लोकतंत्र की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

चुनौती भाजपा और मोदी सरकार की

राहुल गांधी की रणनीति ने भाजपा को रक्षात्मक होने के लिए मजबूर किया है। भाजपा इस आंदोलन के पीछे विदेशी भारत-विरोधी ताकतों की भूमिका की आशंका जता रही है, लेकिन ऐसे आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण सार्वजनिक करना भी जरूरी है। भाजपा और सरकार के सामने चुनौती केवल आंदोलन से निपटने की नहीं, बल्कि अपना राजनीतिक एजेंडा आगे बढ़ाने की भी है। आंदोलन के उद्देश्य और दिशा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। दांव पर राहुल गांधी की राजनीति के साथ अमित शाह की रणनीतिक क्षमता और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की साख भी है। एक नवंबर की रैली देश की राजनीति और कांग्रेस की भावी रणनीति के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। फिलहाल दिल्ली की राजनीति में टकराव और अनिश्चितता के बादल घने हैं।

करना चाहिए कि उसके बूथ लेवल एजेंटों ने कथित गड़बड़ियों के प्रमाण जुटाकर संबंधित अधिकारियों के सामने कितनी शिकायतें दर्ज कराईं। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई की खबरों के बीच कांग्रेस को भी अपने आरोप प्रमाणों के साथ सामने रखने चाहिए। ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी से शपथपत्र के साथ शिकायत करने का आग्रह किया था। राहुल गांधी का यह कहना कि उनके बयान को ही शपथपत्र माना जाए, क्या गंभीर आरोपों के लिए पर्याप्त है? चुनाव आयोग की दलीलों में खामियां हैं तो उन्हें प्रमाणों के साथ उजागर करना चाहिए। लोकतंत्र में आरोपों की गंभीरता उनके प्रमाणों से तय होती है, केवल राजनीतिक प्रचार से नहीं।

12 साल बाद ऐसा ताकतवर तूफान... तड़के 3.30 बजे आंध के तट से टकराया ‘अर्नब’ का कहर... दक्षिण में संकट एमपी में बारिश, ठंड बढ़ने के आसार

विशाखापट्टनम/भोपाल, दोपहर मेट्रो

बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ मंगलवार देर रात 3:30 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया। यहां 125 से 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। पूरे प्रदेश में स्कूल - कॉलेज बंद हैं और कई हिस्सों में बिजली सप्लाई पर असर पड़ा है। बताया गया है की 12 सालों बाद इतनी तीव्रता के तूफान का सामना हो रहा है। 50 ट्रेनें और विजयवाड़ा-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस पर 21 फ्लाइट्स रद्द की गई हैं। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में 4,000 साइक्लोन शेल्टर बनाए गए हैं। ओडिशा में भारी बारिश के चलते 16 जिलों में स्कूल बंद हैं। यहां 30 हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। विशाखापट्टनम में रात 27 अक्टूबर की सुबह 8:30 बजे से 28 अक्टूबर की सुबह 3 बजे तक, यानी करीब 18 घंटे में 200mm से ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

तूफान के मध्य प्रदेश पर भी खासा असर हुआ है। महाकौशल और विन्ध्य अंचल में काले बादलों का डेरा है। वहां अगले तीन दिन बारिश के आसार बने हुए हैं। धार और झाबुआ में अचानक हुई पारे की गिरावट ने ठिठुरन बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने आज सीधी, सिंगरौली, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में भारी बारिश की संभावना जताई है। भोपाल, नर्मदापुरम, भिंड, दतिया, रायसेन, सीहोर, विदिशा, जबलपुर, कटनी, छिंदवाड़ा, सिवनी, नरसिंहपुर, पाण्डुरा, रीवा, सतना, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदबांदी हो सकती है। इसके अलावा 4 दिन प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश, आंधी और गरज-चमक की संभावना जताई गई है।

चक्रवात के असर के बीच धार में ठंड बढ़



35	50
किमी प्रति घंटे की रफतार से चली हवाएं	ट्रेनें और 21 फ्लाइट्स रद्द ,4,000 साइक्लोन शेल्टर बनाए



■ **भोपाल में बूंदबांदी... सीधी, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में भारी बारिश का अलर्ट**

गई है। यहां न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। सतना सहित विन्ध्य क्षेत्र में मौसम पूरी तरह बदला हुआ है। मैहर में मौसम बदलने के साथ 5 से 7 मिनट तक बूंदबांदी हुई। मौसम विभाग ने 29 अक्टूबर को चक्रवात का असर ज्यादा रहने का अलर्ट जारी किया है। 11 जिलों में अति भारी, 9 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। बाकी, 35 जिलों में बूंदबांदी का दौर रह सकता है। इसी दिन करवा चौथ भी है। ऐसे में चांद के दीदार मुश्किल हो सकते हैं। 30 और 31 अक्टूबर को भी मौसम का मिजाज बदला हुआ रहेगा।

गेहूं की बुआई प्रभावित होगी

चक्रवात का असर पूर्वी हिस्से में दिखेगा। इस वजह से खेतों में खड़ी धान की फसल प्रभावित होगी। जबलपुर संभाग के बालाघाट, छिंदवाड़ा समेत कई जिलों में धान की फसल ली जाती है। रीवा संभाग में गेहूं की बुआई में किसान लगे हैं। यह भी प्रभावित हो सकती है। प्रदेश के जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में खरीफ की प्रमुख फसलें धान, सोयाबीन, मक्का, उड़द, अरहर, तिल और कुछ क्षेत्रों में मोटे अनाज हैं।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस... सभी आरोपियों पर लगा मकोका

मुंबई। क्राइम ब्रांच ने एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग मामले में सभी आरोपियों पर महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (मकोका) लगाया है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई क्राइम ब्रांच के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस राज तिलक रौशन ने बताया कि सक्षम अधिकारी की मंजूरी के बाद संगठित अपराध से जुड़े एक्ट की धाराएं जोड़ी गई हैं। 18 अक्टूबर को टाइगर की कार पर हुई फायरिंग के एक दिन बाद, 19 अक्टूबर को मामले में भारतीय न्याय सहिता (आईपीसी) की धारा 109(1) यानी हत्या के प्रयास और धारा 3(5) यानी साझा मंशा के साथ आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर की गई थी।



फ्लाईडुबई के प्लेन को क़ैश कराने की कोशिश नाकाम की थी

मच्छार को यूएई का सम्मान, राष्ट्रपति ने गले लगाया

अबू धाबी, एजेंसी

यूएई ने भारतीय पायलट स्मित मच्छार को उसके सबसे बड़े सम्मानों में से एक ‘जायद-2-फर्स्ट क्लास’ से सम्मानित किया। इस दौरान यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने मच्छार को गले लगाया। दुबई के फ्राउन प्रिंस शेख हमदान ने स्मित को अपने देश की पहचान बताया। फ्लाईदुबई फ्लाइट के पायलट मच्छार ने 30 सितंबर को प्लेन क़ैश कराने की कोशिश नाकाम कर दी थी। यह प्लेन दुबई से तेल अवीव जा रहा था। इस दौरान को-पायलट ने उन पर हमला कर दिया था। राष्ट्रपति बिन जायद ने फ्लाइट के क्रू के सदस्यों को भी सम्मानित किया। इस दौरान यूएई के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद थे।



सूर्योदय से पहले समाप्त होगा भद्रा, 29 को ही मनेगा करवा चौथ पर्व

क रवा चौथ की तारीख को लेकर इस वर्ष लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सोशल मीडिया पर 29 और 30 अक्टूबर को लेकर अलग-अलग जानकारीयां प्रसारित की जा रही हैं, जिससे व्रत रखने वाली महिलाएं भ्रमित हो रही हैं। हालांकि पंचांग की गणना के अनुसार करवा चौथ का पर्व 29 अक्टूबर 2026, गुरुवार को ही मनाया श्रेष्ठ है। इस दिन भद्रा का कोई प्रभाव नहीं रहेगा। इसलिए महिलाओं को अनावश्यक चिंता करने की जरूरत नहीं है। भारतीय मानक समय के अनुसार भद्रा 28 अक्टूबर को दोपहर लगभग 2:36 से 2:38 बजे के बीच आरंभ होकर 29 अक्टूबर को तड़के लगभग



डॉ. विनीत तिवारी अध्यक्ष, राजा भोज ज्योतिष पीठ

त्योहार की परंपरा और चंद्र दर्शन

करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु, दांपत्य सुख और परिवार की मंगलकामना के लिए रखती हैं। परंपरा के अनुसार महिलाएं सरणी ग्रहण करने के बाद सूर्योदय से चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखती हैं। शाम को विधि-विधान से पूजा करने के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत का पारण करती हैं। महिलाओं को चाहिए कि वे इस पर्व को श्रद्धा, प्रेम और प्रसन्नता के साथ मनाएं। ज्योतिष का उद्देश्य मार्गदर्शन करना है, भय या भ्रम पैदा करना नहीं। इसलिए अफवाहों से बचें और सही जानकारी के आधार पर अपनी धार्मिक परंपराओं का पालन करें।

1:06 से 1:07 बजे के बीच समाप्त हो जाएगा। इस प्रकार 29 अक्टूबर को सूर्योदय होने से काफी पहले भद्रा समाप्त हो चुका होगा। इसलिए करवा चौथ के व्रत और पूजा पर भद्रा के कारण किसी बाधा की आशंका नहीं है। किसी भी पर्व की तारीख और शुभ समय को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित अशुद्ध संदेशों पर भरोसा करने के बजाय प्रामाणिक पंचांग

का सहारा लेना चाहिए। अलग-अलग कैलेंडरों में तारीख को लेकर अंतर दिखाई देने पर उसके कारणों को समझना और योग्य ज्योतिषाचार्य से जानकारी लेना उचित है। करवा चौथ चूँकि गुरुवार को पड़ रहा है, भारतीय परंपरा में गुरुवार को बृहस्पति से संबंधित दिन माना जाता है और इसे ज्ञान, सौभाग्य तथा मांगलिक कार्यों के लिए शुभ माना जाता है।

भोपाल में चंद्रोदय रात 8:31 बजे होने का अनुमान

29 अक्टूबर 2026 को भोपाल में चंद्रोदय रात लगभग 8:31 बजे होने का अनुमान है। नई दिल्ली में यह समय लगभग रात 8:17 बजे बताया गया है। ये समय अनुमानित हैं और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार कुछ अंतर संभव है। बादल, धुंध या ऊंची इमारतों के कारण चंद्रमा दिखाई देने में देरी हो सकती है। इसलिए व्रत रखने वाली महिलाएं स्थानीय पंचांग से चंद्रोदय के समय की पुष्टि करें। परंपरा के अनुसार चंद्रमा के दर्शन कर अर्घ्य देने के बाद ही व्रत का पारण किया जाता है।

आज का कार्टून



पूरे माह धार्मिक आयोजन, स्नान दान, तुलसी पूजन-दीपदान

भोपाल। कार्तिक मास शुरू होते ही शहर के मंदिरों में पूजा-अर्चना और भक्ति का माहौल बनने लगा है। कार्तिक मास को स्नान-दान, व्रत, तुलसी पूजन और दीपदान के लिए विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस माह में ब्रह्म मुहूर्त में पवित्र नदियों और जलाशयों में स्नान करने, भगवान विष्णु की आराधना करने और जरूरतमंदों को दान देने से पुण्य की प्राप्ति होती है। पूरे माह मंदिरों व नदी घाटों पर धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन-सामूहिक दीपदान के आयोजन होंगे।

श्रद्धालु तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाकर पूजा करेंगे। करवा चौथ, धनतेरस, दीवाली, गोवर्धन पूजा, छठ पूजा और देवउठनी एकादशी सहित कई पर्व इसी अवधि में मनाए जाएंगे। इसके लिए शहरवासियों का उत्साह जोरों पर है।



तुलसी पूजन और दीपदान से आएगी सुख-समृद्धि

ज्योतिषाचार्य पं. जगदीश शर्मा के अनुसार, कार्तिक मास में तुलसी पूजन और दीपदान का विशेष धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि तुलसी के पास नियमित दीपक जलाने से घर में सुख-समृद्धि और सकारात्मकता का संचार होता है।

श्री बांके बिहारी मंदिर में भजन-कीर्तन

कार्तिक मास के आगमन के साथ ही कृष्ण बिहारी मंदिर में भजन-कीर्तन के साथ महिलाओं ने भगवान की आराधना की। मंदिर की व्यवस्थापक राधा लखरा ने बताया, कार्तिक में अलसुबह ही लोग पहुंच रहे हैं।

इस मास के प्रमुख पर्व

- 29 अक्टूबर को करवा चौथ
- 5 नवंबर को रमा एकादशी
- 6 नवंबर को धनतेरस
- 8 नवंबर को दिवाली
- 9 नवंबर को गोवर्धन पूजा
- 11 नवंबर को भाई दूज
- 13 नवंबर को छठ पूजा, नहाय खाय
- 15 नवंबर को छठ पूजा, संध्या अर्घ्य
- 16 नवंबर को छठ पूजा, उगते सूर्य को अर्घ्य
- 20 नवंबर को देवउठनी एकादशी
- 24 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा

संयम, सेवा, दान-पुण्य का संदेश देता है कार्तिक मास

धर्माचार्यों के अनुसार, कार्तिक मास केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संयम, सेवा, सदाचार और परपेकार का संदेश भी देता है। पंडित विष्णु राजौरिया के अनुसार, इस माह में सूर्योदय से पहले स्नान करने, गायत्री मंत्र का जप करने और सूर्यदेव को अर्घ्य देने की परंपरा है। श्रद्धालु पूरे महीने पूजा-पाठ, मंत्र जप और दान-पुण्य के माध्यम से परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करेंगे। मान्यता है कि इस दौरान पवित्र नदियों में स्नान, दीपदान और जरूरतमंदों की सहायता करने से पुण्य की प्राप्ति होती है।

न्यूज विंडो

डेंगू के मरीजों की संख्या हुई 156 खाली प्लॉट मालिकों पर जुर्माना

भोपाल। बारिश के साथ ही शहर में डेंगू, मलेरिया और अन्य मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ने लगा है। इसके बाद भी निगम और मलेरिया विभाग ने कोई इंतजाम नहीं किए हैं। अब डेंगू के मरीजों की संख्या 156 पर पहुंच गई है। इसकी बड़ी वजह शहर के कई इलाकों के खाली प्लॉटों में पानी जमा होना है, जहां डेंगू का लार्वा तेजी से पनप रहा है। जिला स्वास्थ्य एवं पोषण समिति की बैठक में कलेक्टर प्रियंका मिश्रा ने डेंगू के हॉट स्पॉट सर्वे करने की बात कही। नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग को खाली प्लॉट में जल भरवा पर कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

जवाहर चौक पर निर्माणाधीन बिल्डिंग में सिलेंडर मजदूर पर गिरा, मौत

भोपाल। जवाहर चौक पर निर्माणाधीन बिल्डिंग में काम के दौरान भारी गैस सिलेंडर गिरने से 53 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। देर रात चेन की मदद से करीब दो टन वजनी सिलेंडर खड़ा किया जा रहा था। तभी वह असंतुलित होकर घनश्याम रेकवार के ऊपर गिर गया। सिर में गंभीर चोट से मौके पर ही मौत हो गई।

बढ़ते प्रदूषण के बीच राहत...अब हमीदिया में रोज चलेगी चेस्ट ओपीडी

भोपाल। ल्योहारों के दौरान बढ़ते प्रदूषण और मौसम में बदलाव से सांस संबंधी बीमारियों का खतरा देखते हुए हमीदिया अस्पताल में अब रोज श्वास एवं छाती रोगों की ओपीडी चलेगी। कलेक्टर अविनाश मिश्रा के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने क्षेत्रीय श्वसन रोग संस्थान व अस्पताल का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अस्पताल अधीक्षक के साथ चर्चा के बाद नियमित चेस्ट ओपीडी चलाने पर सहमति बनी।

शराब विवाद: ईटखेड़ी में पति-पत्नी ने फंदा लगाकर दे दी जान

भोपाल। ईटखेड़ी के राधपुर गांव में पति-पत्नी के बीच शराब को लेकर चल रहा विवाद में दोनों ने कमरे में फांसी लगा ली। सुबह बच्चों ने माता-पिता को फंदे पर लटका देखा। मृतकों की पहचान सुरेंद्र सिलावट (35) व पत्नी मोना (34) के रूप में हुई है। दोनों मजदूरी करते थे। सुरेंद्र शराब का आदी था। इससे विवाद होता था।

पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद कॉलेज में नवाचार ने लोगों को दी राहत

इलाज प्राचीन पर तकनीक नई ...पंचकर्म केंद्र में सीटी स्कैन के साथ आयुर्वेद का अनूठा मेल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

देश के पहले सरकारी पंचकर्म और वेलेनेस सेंटर के रूप में पहचान बनाने के तीन साल बाद पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वायत्त आयुर्वेद कॉलेज स्थित पंचकर्म सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। अब यहां मरीजों के इलाज में कौन सा तेल, भाप, वस्ती, अभ्यंगम या शिरोधारा का इस्तेमाल होगा, इसका सटीक फैसला सीटी स्कैन की रिपोर्ट से तय किया जा रहा है। 50 बिस्तरों वाला केंद्र राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के तहत 10 करोड़ रुपए से ढाई साल में तैयार किया गया था। यहां प्रामाणिक और पारंपरिक इलाज देने के लिए केरल से विशेष थैरेपिस्ट तैनात किए गए हैं।



सटीक जानकारी मिले, इसलिए नाड़ी परीक्षण और सीटी स्कैन

परंपरागत रूप से पंचकर्म उपचार 'नाड़ी परीक्षा' पर निर्भर रहता था। यहां विशेषज्ञ की अनुभवहीनता या मामूली चूक गलत इलाज का कारण बन सकती थी। बाद में इसमें ब्लड टेस्ट और एक्स-रे जोड़े गए, लेकिन वे भी तंत्रिका रीढ़ की हड्डी और मांसपेशियों से जुड़ी समस्याओं की सटीक जानकारी नहीं दे पाते थे।

योग-संगीत, पर्यटन का संगम

मरीजों का तनाव कम करने और रिकवरी में सुधार के लिए थैरेपी रूम्स में धीमा संगीत बजाया जाता है। योग-ध्यान की भी व्यवस्था है। आयुष और पर्यटन विभाग इस केंद्र को पंचकर्म के राष्ट्रीय गंतव्य के रूप में विकसित कर रहा है।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, अब केंद्र ने न्यूरो, स्पाइन और जोड़ों के विकारों की स्पष्ट स्थिति जानने के लिए सीटी स्कैन का उपयोग शुरू कर दिया है। इमेजिंग रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टर इलाज की प्रक्रिया तय करते हैं, जिससे यह थैरेपी सुरक्षित और अधिक सटीक हो जाती है।

दिवाली में खपाने की थी तैयारी, खाद्य विभाग ने की कार्रवाई

मुरैना से लाए सात क्विंटल एनालॉग पनीर, भोपाल जंक्शन पर जब्त

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दीपावली से पहले खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग ने भोपाल में बड़ी कार्रवाई की है। भोपाल रेलवे स्टेशन के बाहर से 7 क्विंटल एनालॉग पनीर जब्त किया गया। यह ट्रेन के जरिए मुरैना से यहां लाया गया था। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने कल रात 2 बजे यह कार्रवाई की। 700 किलो से अधिक एनालॉग पनीर की कीमत 2.5 लाख रुपए है। विभागीय अधिकारियों ने बिल्टी और बिल के आधार पर प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई कर दी है। बुधवार सुबह तक कार्रवाई जारी है।

अफसरों की टीम यह पता लगा रही है कि पनीर की सप्लाई कहाँ होने वाली थी। किस होटल, रेस्टोरेंट या डेयरी पर यह पनीर जाने वाला था। इसके बाद



संबंधित के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बता दें, प्रदेश में तीन महीने पहले सरकार ने पूरे एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगाया था। एनालॉग पनीर को असली दूध से बने पनीर के विकल्प के तौर पर तैयार किया जाता है। इसमें दूध की जगह या दूध के साथ वनस्पति वसा, स्टार्च और अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी कम कीमत के कारण बाजार में इसकी खपत तेजी से बढ़ी है।

मेट्रो एंकर

अब परिवहन विभाग ऐसे वाहनों की धरपकड़ के लिए उड़नदस्ता सड़क पर उतारेगा

भोपाल में रजिस्ट्रेशन टैक्स बकाया, दूसरे राज्यों में फरटि भर रही भारत सीरीज की गाड़ियां, आरटीओ की चिंता-कैसे हो टैक्स वसूली

भोपाल। दोपहर मेट्रो

केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों और कई राज्यों में काम के सिलसिले में ज्यादा सफर करने वाले लोगों की सुविधा के लिए केंद्र सरकार ने जो भारत (बीएच) सीरीज शुरू की, यह अब परिवहन विभाग के लिए सिरदर्द बनती जा रही है। बताया जा रहा है कि भोपाल और प्रदेश के कई जिलों में बीएच सीरीज में रजिस्टर्ड अधिकांश वाहनों के मालिकों ने हर दो साल में भरा जाने वाला टैक्स ही जमा नहीं किया है। इनमें से कई वाहन अब प्रदेश में नहीं बल्कि दूसरे राज्यों में हैं। ऐसे में उनकी टैक्स वसूली बड़ा सवाल बन गया है। बार-बार नोटिस के बाद भी हल नहीं निकल रहा।



नोटस भी कैसे भेजें, वाहन मालिकों के स्थायी पते में भी झोल

परिवहन विभाग टैक्स न भरने वाले वाहनों को पकड़ने के लिए आरटीओ के उड़नदस्तों को मैदान में उतारने की तैयारी है। लेकिन सवाल यह है कि जो वाहन राजधानी और प्रदेश में रजिस्टर्ड हैं, उनमें से कितने राज्य में हैं और कितने बाहर। इसकी सही जानकारी

6000 भारत सीरीज की गाड़ियां भोपाल में रजिस्टर्ड 70 हजार इस सीरीज की गाड़ियां पूरे मध्यप्रदेश में

तक साफ नहीं है। आंकड़ों के अनुसार भोपाल में 6500 और पूरे मप्र में 70 हजार वाहनों के रजिस्ट्रेशन भारत सीरीज के तहत किए हैं। स्थायी पते की समस्या भी है। ऐसे में नोटिस कैसे भेजेंगे और जब्ती जैसी कार्रवाई कैसे हो पाएगी। यह बड़ा सवाल है।

भोपाल जंक्शन से ऐशबाग की ओर चल रही खुदाई

अंडरग्राउंड मेट्रो: टीबीएम 400 मीटर पार, अब सिर्फ 100 मीटर बाकी



भोपाल। दोपहर मेट्रो

मेट्रो की अंडरग्राउंड टनल 400 मीटर तक बन गई है। अब सिर्फ 100 मीटर का हिस्सा बचा है। जिसकी डेडलाइन 30 नवंबर है। लेकिन मेट्रो कॉर्पोरेशन अधिकारियों का दावा है कि उससे पहले ही टनल का एक हिस्सा पूरा हो जाएगा। अभी भोपाल स्टेशन से ऐशबाग की तरफ टनल बनाई जा रही है। इसके बाद भोपाल स्टेशन से सिंधी कॉलोनी वाले हिस्से में काम शुरू होगा। अभी दो टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) एक हिस्से में चल रही हैं।

दरसअल अंडर ग्राउंड मेट्रो के लिए दूसरी टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) अप्रैल में उतारी गई थी। तब से काम में तेजी आई है। अब तक दोनों मशीनों ने 400 मीटर की सुरंग बना दी है। यह मशीनें भोपाल रेलवे स्टेशन से ऐशबाग की तरफ

एम्स से सुभाष नगर रूट पर चल रही मेट्रो

अभी भोपाल में एम्स से सुभाष नगर तक मेट्रो चल रही है। अब दूसरे रूट सुभाष नगर से बोगदा पुल होते हुए करोंद तक मेट्रो चलाने के लिए काम चल रहा है। इस रूट पर दो अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन बनेंगे। इसे देखते हुए मेट्रो की टनल बनाई जा रही है। सुरंग जमीन से 60 फीट नीचे बनाई जा रही है। बताते हैं, पहली टीबीएम 260 मीटर और दूसरी 140 मीटर सुरंग बना चुकी है।

बढ़ रही हैं। करोंद से एम्स ऑरेंज लाइन पर 3.39 किलोमीटर हिस्से में मेट्रो अंडर ग्राउंड चलेगी। इसमें दो स्टेशन होंगे। पहला भोपाल रेलवे स्टेशन और दूसरा नादरा बस स्टैंड के पास। ऐशबाग क्रॉसिंग से मेट्रो टनल में घुसेगी और सिंधी कॉलोनी से बाहर निकलेगी।

कांग्रेस के प्रचारक आशीष तिवारी की अपील

लोकतंत्र बचाने चलो दिल्ली..वहीं से होगी जनक्रांति की हुंकार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कांग्रेस नेता एवं पार्टी के प्रचारक आशीष तिवारी ने 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक द्वारा आयोजित वोट बचाओ, देश बचाओ जनमाचं एवं महारेली में मध्यप्रदेश समेत देशवासियों से बढ़-चढ़कर भागीदारी की अपील की है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र की रक्षा, मताधिकार की सुरक्षा और जनता के प्रति सरकार की जवाबदेही आज देश के महत्वपूर्ण सवाल हैं।

वोट चोरी के आरोप, मतदाता सूची में अनियमितता, एसआईआर प्रक्रिया की पारदर्शिता और मुख्य चुनाव आयुक्त जॉश कुमार की जवाबदेही पर उठ रहे सवालों का निष्पक्ष जांच कर समाधान होना

लोकतंत्र बचाने की यह लड़ाई है...

तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी शोषित, पीड़ित, वंचित असहाय वर्ग की आवाज बनकर जनता के अधिकारों, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही से जुड़े मुद्दों को सड़क से सदन तक प्रमुखता से उठा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपने हक, न्याय,अधिकार, संविधान व लोकतंत्र के लिए 1 नवंबर को रामलीला मैदान दिल्ली पहुंचने का आह्वान किया।

चाहिए। हर नागरिक को मतदान का अधिकार और चुनावी प्रक्रिया पर भरोसा लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त है।



प्रगति का नया परिवेश मध्यप्रदेश



मध्यप्रदेश अर्बन ग्रोथ कॉन्फ्लेव 2.0

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री

28 अक्टूबर 2026 | ब्रिलियंट कन्वेंशन सेन्टर, इंदौर



प्रमुख आकर्षण

- शहरी विकास एवं निवेश-आधारित सत्र
- वन-टू-वन मीटिंग
- प्रारूप नीतियों का विमोचन
- एमओयू हस्तांतरण एवं आशय पत्र जारी
- 'इंदौर इकोनॉमिक रीजन' रिपोर्ट का विमोचन



पैनल चर्चा

- अर्बन प्लानिंग, ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट, ट्रांसफरैबल डेवलपमेंट राइट्स
- डिजिटल रिफॉर्म
- अर्बन फाइनेंस एवं निवेश संभावनाएं
- जलवायु अनुकूलन क्षमता एवं सर्कुलर इकोनॉमी



फोकस सेक्टर

- शहरी अवसंरचना
- आवास एवं टाउनशिप विकास
- मोबिलिटी एवं मेट्रो अवसंरचना
- डिजिटल गवर्नेंस एवं नवाचार
- निवेश एवं भविष्य के शहर



हर दीवार अपने भीतर एक दरार की संभावना लेकर जन्म लेती है, लेकिन मनुष्य अक्सर उसकी ऊंचाई देखकर उसकी मजबूती का भ्रम पाल लेता है। 'मेरा' कहने की आकांक्षा से शुरू हुई यात्रा कब सीमा, अधिकार, सुरक्षा और अंततः भय तक पहुंच जाती है, इसका एहसास उसे देर से होता है। कभी घर वर्षा और धूप से बचने का आश्रय था, आज वह संपत्ति, प्रतिष्ठा और सामाजिक हैसियत का प्रतीक भी बन गया है। विडंबना यह है कि घर जितने सुरक्षित होते गए, मनुष्य के भीतर असुरक्षा की आशंका उतनी ही गहरी होती गई। दीवारों का इतिहास केवल स्थापत्य का इतिहास

नहीं, मनुष्य की बदलती मानसिकता का दस्तावेज भी है। बाड़ से दीवार, दीवार से फाटक और फाटक से पहले तक पहुंची सभ्यता ने सुरक्षा के अनेक साधन जुटाए। गांव नगर बने, नगर दुर्ग और दुर्ग साम्राज्य। हर नई सीमा ने स्वामित्व की भावना को मजबूत किया, लेकिन साथ ही दूसरों से दूरी भी बढ़ाई। धीरे-धीरे जमीन पर खिंची रेखाएं मन के भीतर उतरने लगीं। 'यह मेरा है' का आग्रह 'यह तुम्हारा नहीं' की घोषणा में बदलने लगा। प्रकृति इस पूरे घटनाक्रम में मौन साक्षी बनी रही। हवा ने कभी दीवारों से अनुमति नहीं मांगी, वर्षा

ऊंची दीवारें, कमजोर भरोसा

ने किसी संपत्ति का भेद नहीं किया और सूरज ने किसी ऊंचे फाटक को विशेष विभाजनों पर एक गहरा प्रश्नचिह्न है। सीमाएं उसकी जरूरत हो सकती हैं, लेकिन उन्हें स्थायी और अजेय मान लेना उसका भ्रम है। दीवार पर उभरती महीन दरार इसी भ्रम को तोड़ती है। पहले उसे धूल समझकर अनदेखा किया जाता है, फिर गारे से ढकने की कोशिश होती है। मगर दरार लौट आती है। वह याद दिलाती है कि पथर भी समय से परे नहीं और मजबूती का दावा कमजोरी की संभावना

समाप्त नहीं करता। यही बात व्यक्ति, समाज और सत्ता पर भी लागू होती है। अहंकार जब आत्ममंथन की जगह ले लेता है, तब छोटी-सी दरार भी बड़े संकट का संकेत बन सकती है। इसलिए हर दरार को विनाश का संदेश समझना जरूरी नहीं। कई बार वह सुधार का अवसर होती है। सवाल दीवारों के अस्तित्व का नहीं, उनके अहंकार का है। सुरक्षा जरूरी है, लेकिन अलगाव नहीं; अधिकार जरूरी हैं, लेकिन दूसरों के अस्तित्व की कीमत पर नहीं। जो समय रहते अपनी दरार पहचान लेता है, उसके पास स्वयं को संभालने का अवसर रहता है। आखिर दीवारें मिट्टी से जन्मी हैं, पर्वत होने के भ्रम से नहीं।

ऐसी शिक्षा व्यवस्था... खाली कक्षाएं, फर्जी हाजिरी और अव्वल नतीजे

डॉ. रविशंकर कुमार चौधरी
प्राध्यापक, रतंभकार



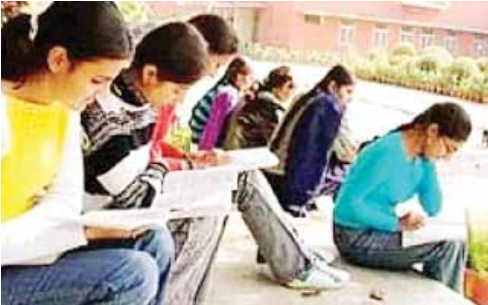
बिहार की शिक्षा व्यवस्था को लेकर समय-समय पर अच्छे परीक्षा परिणामों, विद्यार्थियों की उपलब्धियों और सरकारी योजनाओं की चर्चा होती है। सरकार इन उपलब्धियों को शिक्षा में सुधार का प्रमाण बताती है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे कुछ ऐसे सवाल भी हैं, जिनसे मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। क्या विद्यालयों और महाविद्यालयों में नियमित कक्षाएं चल रही हैं? क्या विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है? क्या शिक्षकों की उपस्थिति और पढ़ाई की वास्तविक स्थिति में कोई संबंध है? और क्या परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना वास्तव में ज्ञान और समझ का प्रमाण है?

इन सवालों के बीच खाली कक्षाओं, उपस्थिति के आंकड़ों में संभावित गड़बड़ियों और शिक्षण की कमजोर होती गुणवत्ता पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। शिक्षा केवल नामांकन, उपस्थिति और परीक्षा परिणामों का सरकारी आंकड़ा नहीं है। उसका वास्तविक उद्देश्य विद्यार्थियों में ज्ञान, विवेक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करना है। यदि यह उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा, तो अच्छे परिणामों के बावजूद शिक्षा व्यवस्था की सफलता पर सवाल उठेंगे।

बिहार में शिक्षा के विस्तार के लिए पिछले वर्षों में कई योजनाएं शुरू की गई हैं। विद्यालयों में आधारभूत सुविधाएं बढ़ाने, शिक्षकों की नियुक्ति करने, छात्रवृत्ति देने और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के प्रयास हुए हैं। इन पहलों का महत्व है, लेकिन इनकी सफलता का आकलन केवल बजट खर्च, नियुक्तियों और परीक्षा परिणामों से नहीं किया जा सकता। यह देखना भी जरूरी है कि कक्षा में वास्तव में क्या हो रहा है और विद्यार्थी कितना सीख रहे हैं।

उपस्थिति का हिसाब रखना प्रशासनिक जरूरत है, लेकिन उपस्थिति को ही शिक्षा मान लेना बड़ी भूल है। किसी विद्यालय में शिक्षक की हाजिरी नियमित हो, विद्यार्थी भी नामांकित हों, फिर भी यदि कक्षा में पढ़ाई नहीं हो रही, तो व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटक रही है। इसी तरह, कागजों पर उपस्थिति पूरी दिखने और वास्तविक स्थिति में अंतर होने की शिकायतें सामने आती हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। हालांकि, किसी शिकायत को जांच के बिना पूरे शिक्षक समुदाय पर आरोप बनाने का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए।

डिजिटल उपस्थिति जैसी व्यवस्थाएं पारदर्शिता बढ़ाने में उपयोगी हो सकती हैं। उनसे यह पता लगाया जा सकता है कि शिक्षक और विद्यार्थी निर्धारित समय पर संस्थान पहुंच रहे हैं या नहीं। लेकिन तकनीक अपने आप शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं करती। उपस्थिति दर्ज हो जाने के बाद भी यह प्रश्न बना रहता है कि शिक्षक ने कितना पढ़ाया, विद्यार्थी ने कितना समझा और सीखने में पिछड़ रहे बच्चों की मदद कैसे की गई। यदि प्रशासन का पूरा ध्यान हाजिरी दर्ज कराने पर केंद्रित हो जाए, तो शिक्षक की भूमिका पढ़ाने के बजाय आंकड़े पूरे करने तक सीमित होने का खतरा है। निगरानी का उद्देश्य भय पैदा करना नहीं, बल्कि शिक्षण को बेहतर बनाना होना चाहिए। शिक्षक की जवाबदेही आवश्यक है, लेकिन उसके साथ पर्याप्त संसाधन, शैक्षणिक सहयोग और सम्मानजनक कार्य वातावरण भी जरूरी हैं। बिहार की शिक्षा व्यवस्था की एक बड़ी चुनौती शिक्षकों पर गैर-शैक्षणिक कार्यों का बोझ भी है। चुनाव, विभिन्न सर्वेक्षणों, प्रशासनिक अभियानों और दूसरी जिम्मेदारियों के कारण कई बार शिक्षण प्रभावित होता है। सरकारी कामकाज में कुछ अतिरिक्त दायित्व जरूरी हो सकते हैं, लेकिन यदि वे नियमित रूप से कक्षा के समय को कम करने लगें, तो इसका सीधा नुकसान विद्यार्थियों को होता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिक्षकों का अधिकतम समय शिक्षण, पाठ-योजना, विद्यार्थियों की समस्याओं को समझने और मूल्यांकन में लगे। शिक्षकों की कमी और विषय विशेषज्ञों की अनुपलब्धता भी कई संस्थानों में पढ़ाई को प्रभावित कर सकती है। कहीं विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में शिक्षक पर्याप्त नहीं हैं, तो कहीं विज्ञान, गणित और अन्य विषयों के



खोजने में कठिनाई महसूस करते हैं, तो परीक्षा परिणामों के साथ सीखने की गुणवत्ता की जांच भी आवश्यक है।

इसके साथ अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की भागीदारी बढ़ाना भी जरूरी है। विद्यालय शिक्षा समितियां और महाविद्यालयों के प्रबंधन निकाय केवल औपचारिक संस्थाएं बनकर न रह जाएं। उन्हें कक्षाओं के संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पुस्तकालय और प्रयोगशाला की स्थिति तथा स्थानीय शैक्षणिक जरूरतों पर चर्चा करने का वास्तविक अवसर मिलना चाहिए। शिकायतों के समाधान की पारदर्शी व्यवस्था हो, ताकि समस्याओं को समय रहते पहचाना जा सके।

शिक्षा में सुधार के लिए शिक्षकों को केवल सदैह की नजर से देखना भी उचित नहीं है। बड़ी संख्या में शिक्षक सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं। व्यवस्था की कमियों का बोझ केवल उन पर डालने से समाधान नहीं निकलेगा। जरूरी है कि जवाबदेही और सहयोग साथ-साथ चलें। जो लापरवाही या अनियमितता के दोषी जाएं, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई हो; वहीं अच्छा काम करने वाले शिक्षकों और संस्थानों को प्रोत्साहन मिले। बिहार की शिक्षा व्यवस्था को अब आंकड़ों की सफलता से आगे बढ़कर सीखने की वास्तविक सफलता पर ध्यान देना होगा। खाली कक्षाएं, उपस्थिति में संभावित अनियमितताएं और अव्वल परीक्षा परिणाम अपने-आप में विरोधाभास नहीं हैं, लेकिन इनके बीच का संबंध जांच और समीक्षा की मांग करता है। सवाल यह नहीं कि कितने विद्यार्थी परीक्षा में पास हुए, बल्कि यह भी है कि वे जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए कितना ज्ञान और कौशल हासिल कर पाए।

शिक्षा की गुणवत्ता का प्रमाण सरकारी दावों या परीक्षा परिणामों की चमक से नहीं, कक्षा में होने वाली पढ़ाई और विद्यार्थियों की समझ से मिलता है। यदि बिहार को अपने युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करना है, तो विद्यालयों और महाविद्यालयों को वास्तविक अर्थों में ज्ञान के केंद्र बनाना होगा। हाजिरी की निगरानी जरूरी है, लेकिन उससे कहीं अधिक जरूरी है पढ़ाई की निगरानी। आखिरकार, शिक्षा व्यवस्था की असली परीक्षा रजिस्टर में दर्ज उपस्थिति नहीं, विद्यार्थियों के मन में विकसित समझ, विवेक और आत्मविश्वास है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

शेयर बाजार की की लम्बी सुस्ती के बीच सरकार के बड़े कदम का इंतजार

डॉ. योगेन्द्र श्रीवास्तव
रतंभकार



वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का यह बयान काबिलेगौर है कि वे कैपिटल गेन यानी पूंजीगत लाभ के बारे में सुझाव सुनने के लिये तैयार हैं। ज्ञात हो कि हर साल बजट के पहले वित्त मंत्रालय के पोर्टल पर कांफ़रेंट, विशेषज्ञ और आम जनता से बजट सम्बन्धी सुझाव माँगे जाते हैं। इसके अलावा वित्त मंत्रालय में मीटिंग्स का दौर भी चलता है जिसमें आर्थिक मुद्दों पर चर्चा के साथ बजट प्रस्तावों पर विमर्श होता है। ऐसी मीटिंग्स फिलहाल जारी हैं। गौरतलब है कि बहुत सी कम्पनियों के अच्छे तिमाही नतीजों और मुनाफ़े ने बढ़ोत्तरी के बावजूद शेयर बाजार लम्बी सुस्ती के दौर में हैं। विदेशी निवेशक बिकवाली करके पैसा वापस अपने देशों में निवेश कर रहे हैं जहाँ उन्हें बेहतर अवसर और ज्यादा फायदे की गुंजाइश है।

सिर्फ अक्टूबर माह में विदेशी निवेशक 40 हजार करोड़ रुपये की बिकवाली कर चुके हैं जो कतई अच्छा संकेत नहीं है। यह सही है कि शेयर बाजार की सेहत का असर आम नागरिक के जमा खर्च पर नहीं पड़ता लेकिन विदेशी निवेश और मजबूत शेयर बाजार किसी भी देश की आर्थिक स्थिति और भावी प्रगति का पैमाना होता है। वर्ष 1992 में शेयर बाजार की भरी उठापटक पर तत्कालीन वित्तमंत्री मनमोहन सिंह ने संसद में कहा था कि; मैं शेयर बाजार के लिये अपनी नौद खराब नहीं करता। लेकिन लगता है वर्तमान वित्तमंत्री

महोदय की नौद खराब हुई है इसीलिए उन्होंने ऐसा उदार सुझाव दिया है और निवेशक बड़ी बेसब्री से सरकार के अगले कदम की प्रतीक्षा कर रहे हैं। ज्ञात हो कि पहले शेयर बेचने पर होने वाले लम्बी अवधि लाभ यानी एक साल से ज्यादा अवधि के बाद बेचने पर कैपिटल गेन पर पूरी टैक्स छूट थी। लेकिन 1 अप्रैल 2018 से इसे 10 प्रतिशत और बाद में 2024 से बढ़ा कर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया। दूसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने शेयर पर मिलने वाले लाभांश को भी नहीं छोड़ा और 2020 से उस पर भी टैक्स लगा दिया गया जबकि पहले लाभांश पर कम्पनी टैक्स देती थी और इन्वेस्टर को प्राप्त होने वाला लाभांश पूर्णतः कर मुक्त था। लाभांश पर टैक्स वास्तव में टैक्स पर टैक्स है क्योंकि कम्पनियां पहले ही कई तरह के टैक्स दे चुकी होती हैं जिनमें मुनाफ़े पर टैक्स भी शामिल होता है।

पहले शेयर बाजार केवल रईस लोगों का शौक समझा जाता था मगर अब स्थितियां बदल चुकी हैं। पिछले 10 सालों में निवेशकों की संख्या में 10 गुना बढ़ोत्तरी हुई है। वर्ष 2015 में देश में डीमेट खातों का उच्चवर्ग को आकर्षित करने के लिए शुरू किया गया। इससे शेयर बाजार में निवेशकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई। शेयर बाजार का कारोबार पूरी तरह ऑनलाइन और डिजिटल होने से निवेश बहुत सुविधाजनक हो गया है और घर बैठे मोबाइल के जरिये सारे लेनदेन करना भी बिल्कुल आसान है। इसीलिए अब नौकरपेशा और रिटायर होने वाले नागरिक केवल फिक्स डिपॉजिट में निवेश पर भरोसा नहीं करते हैं बल्कि शेयर बाजार और म्यूचुअल फण्ड में भी निवेश करते हैं। इसलिए कैपिटल गेन पर टैक्स का असर उस मध्यम वर्ग पर पड़ता है जो कम होती ब्याज दर से बेहतर रिटर्न की



हर तरह की आय पर टैक्स लगा देती है। मध्यवर्ग द्वारा शेयर बाजार में निवेश लगातार बढ़ता जा रहा है लेकिन सरकार की निवेश विरोधी नीतियों से शेयर बाजार का माहौल तो खराब हुआ है। साथ ही आम नागरिकों के आय के साधन इतने सीमित हो गये हैं कि वे बढ़ती महंगाई और मुद्रास्फीति का मुकाबला ही नहीं कर पाते।

देश का उच्चवर्ग तो आर्थिक नीतियों से अप्रभावित रहता है क्योंकि व्यापार या उद्योग में नफा नुकसान का उनके व्यक्तिगत जीवन पर कोई असर नहीं पड़ता। निम्न वर्ग भी लाइली बहना, फ्री एलपीजी, फ्री राशन और तरह तरह के लोक लुभावन कार्यक्रमों से लाभान्वित है। लेकिन मध्यवर्ग की मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं क्योंकि वह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष टैक्स दोनों की मार झेलने पर मजबूर है। इसलिए जरूरी है कि वित्तमंत्री महोदय न सिर्फ कैपिटल गेन बल्कि लाभांश और ब्याज पर टैक्स के बारे में भी पुनर्विचार करें। उन्हें यह समझना चाहिये कि शेयर बाजार में निवेशकों को घाटा भी झेलना पड़ता है और लगातार गिरती ब्याज दरें अब महंगाई का मुकाबला नहीं कर सकती। वैसे बजट पूर्व सुझाव तो वित्तमंत्री को बदस्तूर हर साल सुनने मिलते हैं लेकिन जब तक वे आम लोगों की तकलीफ नहीं समझेंगी तब कोई सुधार नहीं करेंगी। जनता सिर्फ उम्मीद कर सकती है वरना हर साल की तरह एक और बजट आयेगा और लोगों को निराश कर जायेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

मौसम बदलते ही नाक बहना, छींक आना, सिर भारी होना और गले में खराश जैसी परेशानियां आम हो जाती हैं। अधिकतर लोग इन्हें सामान्य जुकाम मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई बार यही लक्षण साइनसाइटिस की ओर भी संकेत कर सकते हैं। जुकाम और साइनस की शुरुआत एक जैसी लग सकती है, क्योंकि वायरल संक्रमण के दौरान साइनस की अंदरूनी परत में भी



सामान्य जुकाम मुख्य रूप से वायरस के कारण होने वाला

सूजन आ सकती है। हालांकि, हर जुकाम साइनस का गंभीर संक्रमण नहीं बनता और हर साइनसाइटिस बैक्टीरिया के कारण नहीं होता। दोनों के बीच अंतर समझना जरूरी है, ताकि बिना जरूरत दवाएं लेने से बचा जा सके और समय पर इलाज मिल सके।

संक्रमण है। इसमें नाक बहना या बंद होना, छींकें, गले में खराश, खांसी और हल्का बदन दर्द हो सकता है। आमतौर पर शुरुआती दो-तीन दिनों में लक्षण अधिक महसूस होते हैं और करीब एक सप्ताह में सुधार होने लगता है। हालांकि, खांसी कुछ समय तक बनी रह सकती है।

साइनस नाक और चेहरे के आसपास स्थित हवा से भरी छोटी गुहाएं हैं। इनकी अंदरूनी परत में सूजन आने को साइनसाइटिस कहते हैं। सूजन के कारण बलगम की निकासी प्रभावित हो सकती है। इससे नाक बंद रहने, माथे या गालों में दबाव, चेहरे में दर्द, सूंघने की क्षमता घटने और गले के पीछे बलगम गिरने जैसी

परेशानियां हो सकती हैं। साइनस की समस्या कई बार वायरल संक्रमण से शुरू होती है और अपने आप सुधार सकती है। **बचाव और सही देखभाल:** पर्याप्त आराम करें, पानी पीते रहें और धूल-धुएं से बचें। नाक बंद होने पर नमक मिले पानी का नाक में उपयोग राहत दे सकता है। इसके लिए तैयार नमकीन घोल या उचित रूप से तैयार पानी का ही इस्तेमाल करें; सीधे नल का पानी नाक में न डालें। एंटीबायोटिक या अन्य दवाएं डॉक्टर की सलाह के बिना न लें। आंखों के आसपास सूजन या लालिमा, नजर में बदलाव, असामान्य तेज सिरदर्द अथवा गंभीर हालत होने पर तत्काल चिकित्सा सहायता लें।

निशाना

धर्म ख़तरे में बताए जो भी मान लीजे निजाम गड़बड़ है



रामकिशोर नाविक

जिंदगी हसरतों का वीहड़ है आदमी का नसीब भगदड़ है आज हर बात बड़े बूढ़ों की पूरे कुनवे के लिये बड़बड़ है धर्म ख़तरे में बताये जो भी मान लीजे निजाम गड़बड़ है झुठ साबित हुये बयान सभी आदमी निख़ालिश बतंगड़ है हुस्न है अंधे कुएं के माफिक इश्क़ की चाल बड़ी हड़बड़ है

वायरल कंटेंट

थाईलैंड की युवती ने 42 रुपये में भारतीय ट्रेन में यात्रा की, अनुभव साझा किया

भारत घूमने आने वाले विदेशी पर्यटकों के लिए यहां की संस्कृति, खानपान और रहन-सहन के साथ सार्वजनिक परिवहन भी दिलचस्प अनुभव बन जाता है। थाईलैंड की एक युवती ने बेंगलुरु में भारतीय रेलवे के जनरल डिब्बे में महज 42 रुपये का टिकट लेकर सफर किया। इसके बाद उसने मेट्रो में भी यात्रा की और दोनों अनुभवों का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। उसके अनुभव में कहीं कम किराये में यात्रा की सुविधा थी, तो कहीं भीड़ और डिब्बे में महसूस हुई गंध का जिन्न। महिलाओं के लिए आरक्षित मेट्रो कोच ने भी उसका ध्यान खींचा। इंस्टाग्राम पर @giftcangrow नाम से यात्रा संबंधी वीडियो साझा करने वाली थाई युवती ने बताया कि वह भारतीय ट्रेनों के बारे में पहले कई अनुभव और समीक्षाएं देख चुकी थी। इस बार उसने खुद सफर करके जानने का फैसला किया कि भारतीय रेल में यात्रा कैसी होती है। उसने 42 रुपये का टिकट लेकर जनरल डिब्बे में यात्रा की। इस श्रेणी में पहले से सीट आरक्षित नहीं होती, इसलिए बैठने की जगह मिलना यात्रियों की संख्या पर निर्भर करता है। युवती ने अपने वीडियो में बताया कि भारतीय ट्रेनों के बारे

में ऑनलाइन समीक्षाओं में उसने भीड़ और गंध जैसी बातों का उल्लेख देखा था। सफर के दौरान उसे भी ऐसे अनुभव हुए। हालांकि, उसने यह भी स्पष्ट किया कि उसने जानबूझकर जनरल डिब्बे का टिकट चुना था, ताकि कम किराये वाली यात्रा का वास्तविक अनुभव ले सके। **बैंकों की मेट्रो से की तुलना:** रेल यात्रा के बाद युवती ने बेंगलुरु मेट्रो में भी सफर किया। यह उसका भारत में पहला मेट्रो अनुभव था। स्टेशन पहुंचने पर उसे वहां काफी भीड़ दिखाई दी। टिकट लेने की व्यवस्था उसे बैंकों की मेट्रो से मिलती-जुलती लगी।

हालांकि, यात्रियों की संख्या और स्टेशन की हलचल ने उसका ध्यान खींचा। उसने मेट्रो में यात्रियों को बैग लेकर सफर करते देखा। इससे उसे लगा कि शहर में कामकाज के लिए आने-जाने वाले लोगों के लिए मेट्रो महत्वपूर्ण साधन है। सोशल मीडिया पर साझा किया गया यह अनुभव भारतीय सार्वजनिक परिवहन की सुविधों और चुनौतियों, दोनों की तस्वीर सामने रखता है। हालांकि, यह एक यात्री का निजी अनुभव है, पूरे भारतीय रेल नेटवर्क की स्थिति का निष्कर्ष नहीं।

मोबाइल फोन और स्मार्ट टीवी पर इंटरनेट के जरिए मुफ्त लाइव टीवी देखने वालों के लिए आने वाले समय में कुछ बदलाव हो सकते हैं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने इंटरनेट पर लाइव टीवी चैनल दिखाने वाले ऐप्स के लिए सरकारी अनुमति अनिवार्य करने की सिफारिश की है। इसका उद्देश्य बिना अनुमति चैनल प्रसारित करने वाली सेवाओं पर नियंत्रण और दर्शकों की शिकायतों के लिए जवाबदेही तय करना है। हालांकि, ये अभी सिफारिशें हैं। इन्हें मंजूरी मिलने और आधिकारिक नियम जारी होने के बाद ही बदलाव लागू होंगे।

ट्राई ने इंटरनेट के माध्यम से सीधे टीवी चैनल प्रसारित करने वाली सेवाओं के लिए अलग व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया है। इसके तहत ऐसी सेवाओं को केंद्र सरकार से अनुमति लेनी होगी। इस श्रेणी को एफिलिकेशन आधारित रेगुलर टेलीविजन वितरण (एएलटीडी) नाम देने का प्रस्ताव है। इसका संबंध उन ऐप्स से है, जिन पर दर्शक पारंपरिक टीवी चैनलों का सीधा प्रसारण इंटरनेट के

जरिए देखते हैं। प्रस्ताव के अनुसार, स्मार्ट टीवी बनाने वाली कंपनियों और ऑपरेटिंग सिस्टम उपलब्ध कराने वाली कंपनियों को अपने उपकरणों तथा ऐप स्टोर पर अधिकृत सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। कंपनियों को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के समक्ष सालाना अनुपालन रिपोर्ट जमा करने की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। रिपोर्ट में नियमों के पालन से संबंधित



जानकारी देनी होगी। इससे बिना अनुमति लाइव चैनल दिखाने वाले ऐप्स पर नियंत्रण रखने में मदद मिल सकती है।

नियम लागू होने पर दर्शकों को लाइव टीवी दिखाने वाले ऐप्स की पहचान और शिकायतों के समाधान में स्पष्टता मिल सकती है। कंटेंट या सेवा से जुड़ी समस्या होने पर संबंधित ऐप संचालक की जवाबदेही तय करने में मदद मिलेगी। अनधिकृत सेवाओं पर रोक लगने से फर्जी ऐप्स से जुड़े कुछ ख़तरा भी कम हो सकते हैं। हालांकि, इससे सभी मुफ्त टीवी चैनलों के बंद होने या दर्शकों को अनिवार्य रूप से भुगतान करना पड़ने का निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए।

जबलपुर रोड से संदीपनी विद्यालय तक चौड़ीकरण का काम अधूरा, व्यापारियों को नुकसान और हादसों का खतरा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो नगर परिषद द्वारा जबलपुर रोड से संदीपनी विद्यालय तक करीब एक किलोमीटर लंबे मार्ग का चौड़ीकरण कराया जा रहा है। वर्तमान में लगभग 12 फीट चौड़ी सड़क को बढ़ाकर 20 फीट करने की योजना है। इसके तहत शुक्रवार-शनिवार को सड़क के एक हिस्से की खुदाई की गई, लेकिन काम अधूरा छोड़ दिए जाने से व्यापारी, राहगीर और स्थानीय निवासी परेशान हैं। कई जगह डस्ट और गिट्टी डाल दी गई है, जबकि कुछ हिस्सों में गड्ढे खुले पड़े हैं। वाहनों की आवाजाही से उड़ती धूल के कारण दुकानदारों और ग्राहकों को परेशानी हो रही है। दीपावली नजदीक होने से बाजार में भीड़ बढ़ गई है, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है।

मार्ग पर जाम की समस्या भी गंभीर हो गई है। धान कटाई के चलते हार्वेस्टर, ट्रैक्टर-ट्रॉली और मंडी जाने वाले लोड ट्रकों की आवाजाही बढ़ी है। सोमवार शाम करीब सात बजे दो हार्वेस्टर आमने-सामने फंस गए, जिससे आधे घंटे तक जाम लगा

न्यूज विंडो

इटारसी में आबकारी विभाग की दबिशा महुआ लाहन और शराब जब्त



नर्मदापुरम। अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने मंगलवार को इटारसी के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की। टीम ने नाला मोहल्ला, गरीबी लाइन, सूरजगंज और भाट मोहल्ला में दबिशा देकर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 के तहत तीन प्रकरण दर्ज किए।

चार क्षेत्रों में कार्रवाई, 180 किलो महुआ लाहन, 20 लीटर कच्ची शराब और हिस्की के 45 पाव मिले

द्विवेदी के मार्गदर्शन में 27 अक्टूबर को अभियान चलाया गया। इस दौरान टीम ने करीब 180 किलोग्राम महुआ लाहन, 20 लीटर हाथभट्टी मदिरा और अंग्रेजी हिस्की के 45 पाव जब्त किए। कार्रवाई में वृत्त प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी रमेश अहिरवार, प्रधान आबकारी आरक्षक राजेश गौर, आबकारी आरक्षक धर्मेन्द्र बारगे और विकास लोखंडे तथा महिला आरक्षक भावना यादव शामिल रहे।

तेंदूखेड़ा पुलिस का वारंटियों पर शिकंजा, एक दिन में 8 वारंट तामील



तेंदूखेड़ा। लंबित वारंटों की तामील के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत तेंदूखेड़ा थाना पुलिस ने सोमवार, 27 अक्टूबर को कार्रवाई करते हुए कुल आठ वारंट तामील किए। इनमें चार स्थाई वारंट और चार गिरफ्तारी वारंट शामिल हैं। पुलिस टीम ने

चार स्थाई और चार गिरफ्तारी वारंटों पर कार्रवाई, थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर के नेतृत्व में चला अभियान

गई। यह कार्रवाई थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर के नेतृत्व में तेंदूखेड़ा थाना पुलिस स्टाफ ने की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, लंबित वारंटों की तामील के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा। फरार वारंटियों की तलाश कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई से लंबित प्रकरणों के निराकरण में मदद मिलने की उम्मीद है। थाना पुलिस ने आमजन से कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील भी की है।

अलग-अलग स्थानों पर वारंटियों की तलाश कर उन्हें नियमानुसार गिरफ्तार किया और वारंट तामील की प्रक्रिया पूरी की। लंबे समय से लंबित वारंटों के निष्पादन के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में सोमवार को भी विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की

मेट्रो एंकर

वार्ड 11 की पार्श्व ने एसडीएम से लगाई गुहार, वार्ड 9 के रहवासियों ने भी दिन में नियमित जलापूर्ति की मांग उठाई

तेंदूखेड़ा में पानी पर हाहाकार, कहीं दूषित जल तो कहीं रात में सप्लाई से परेशानी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के वार्ड क्रमांक 11 और 9 में पेयजल व्यवस्था को लेकर लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। वार्ड 11 की पार्श्व इंदु मालवीय ने सोमवार को एसडीएम तेंदूखेड़ा को पत्र सौंपकर समस्या के स्थायी समाधान की मांग की। पार्श्व के अनुसार, उन्होंने 22 सितंबर को जनसुनवाई में भी आवेदन दिया था, लेकिन एक माह से अधिक समय बीतने के बाद भी राहत नहीं मिली। वार्ड में नगर परिषद की जीआई पाइपलाइन कई जगह क्षतिग्रस्त है, वहीं नर्मदा परियोजना की पाइपलाइन भी बार-बार खराब हो रही है। इससे कहीं पानी सड़क पर बहता है, तो कहीं घरों तक पर्याप्त आपूर्ति नहीं पहुंचती। रहवासियों ने



नलों से मिश्रित मिला दूषित पानी आने की शिकायत भी की है। शिक्षक कॉलोनी, आईपीएस स्कूल के आसपास और विश्वकर्मा मंदिर के पीछे समस्या अधिक बताई गई है। इधर, वार्ड 9 में पिछले 12 माह से रात के समय अनियमित जलापूर्ति होने की शिकायत है। रहवासियों का कहना है कि कभी

शाम सात बजे, तो कभी रात आठ से नौ बजे पानी आता है। कई बार दो दिन तक सप्लाई नहीं होती। दीपावली की तैयारियों के बीच लोगों ने दिन में निर्धारित समय पर पानी देने की मांग की है। प्रशासन से दोनों वार्डों में स्थायी समाधान की अपेक्षा की जा रही है।

टूटी पाइपलाइन से दूषित पानी आने की शिकायत

वार्ड क्रमांक 11 में क्षतिग्रस्त पाइपलाइन के कारण पेयजल संकट गहराता जा रहा है। पार्श्व इंदु मालवीय के अनुसार, नगर परिषद की जीआई पाइपलाइन कई जगह से फूट चुकी है और नर्मदा परियोजना की पाइपलाइन में भी बार-बार खराबी आती है। इससे लोगों को

वार्ड 9 में रात की जलापूर्ति से लोग परेशान

नगर के वार्ड क्रमांक 9 में पेयजल सप्लाई का समय निर्धारित नहीं होने से रहवासियों को परेशानी हो रही है। लोगों का आरोप है कि पिछले 12 माह से नर्मदा परियोजना के तहत रात में पानी दिया जा रहा है। कभी शाम सात बजे, तो कभी रात आठ से नौ बजे के बीच सप्लाई शुरू होती है। कई बार दो दिन तक पानी नहीं मिलता। रहवासियों के मुताबिक, रात में खाना बनाने और अन्य घरेलू कामों के बीच पानी भरना मुश्किल होता है। दीपावली नजदीक होने से घरों में साफ-सफाई, रंग-रोगन और पुताई का काम चल रहा है, जिसके लिए पानी की जरूरत बढ़ गई है। लोगों ने नगर परिषद और संबंधित अधिकारियों से दिन में निश्चित समय पर नियमित जलापूर्ति करने की मांग की है।

पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है। रहवासी तिलक राज अहिरवार, उज्ज्वल विश्वकर्मा, राजेंद्र जैन, सुनील जैन और बसंत जैन ने नलों से मिश्रित मिला दूषित पानी आने की शिकायत की है। लोगों को आशंका है कि गंदा पानी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है।

शिक्षक कॉलोनी, आईपीएस स्कूल के आसपास, विश्वकर्मा मंदिर के पीछे और प्रकाश साहू के मकान के आसपास परेशानी अधिक है। पार्श्व ने पुरानी पाइपलाइन बदलकर नई पाइपलाइन डालने और नर्मदा परियोजना की लाइन दुरुस्त कराने की मांग की है।

त्योहार से पहले सड़क खोदकर छोड़ी, धूल और जाम से तेंदूखेड़ा बेहाल



रहा। बाद में एक हार्वेस्टर को खुदी हुई सड़क की ओर से निकालकर रास्ता खुलवाया गया। स्थानीय दुकानदार रत्नेश जैन, सोनू राय, प्रियांशु जैन, डॉ. प्रदीप सिंह और शोएब खान ने निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने की मांग की है। उनका कहना है कि मार्ग पर स्कूल, कॉलेज, सरकारी कार्यालय, छात्रावास और

कृषि मंडी सहित कई संस्थान हैं। यह सड़क करीब एक दर्जन गांवों को जोड़ती है। अधूरा निर्माण दुर्घटना का कारण बन सकता है। नगर परिषद के उपयंत्री भूपेंद्र सिंह ने बताया कि ठेकेदार को काम में तेजी लाने की हिदायत दी जा रही है। जल्द निर्माण पूरा कराया जाएगा।

दो हार्वेस्टर आमने-सामने फंसे, आधे घंटे लगा जाम

सड़क चौड़ीकरण के दौरान एक ओर खुदाई कर छोड़ दिए जाने से जबलपुर रोड पर यातायात प्रभावित हो रहा है। मार्ग पर दिनभर जाम की स्थिति बन रही है। धान कटाई का सीजन होने के कारण हार्वेस्टर, ट्रैक्टर-ट्रॉली और मंडी जाने वाले भारी वाहनों की आवाजाही बढ़ गई है। सोमवार शाम करीब सात बजे जनपद मार्ग पर दो हार्वेस्टर आमने-सामने फंस गए, जिससे करीब आधे घंटे तक जाम लगा रहा। बाद में एक हार्वेस्टर को खुदाई वाले हिस्से से निकालकर रास्ता खुलवाया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मार्ग स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी कार्यालयों और कृषि मंडी के साथ करीब एक दर्जन गांवों को जोड़ता है। ऐसे में अधूरा निर्माण हादसे का कारण बन सकता है। लोगों ने ठेकेदार से समय पर और गुणवत्तापूर्ण काम पूरा कराने की मांग की है। नगर परिषद के उपयंत्री भूपेंद्र सिंह ने जल्द काम पूरा कराने का आश्वासन दिया है।

धूल से दुकानदार परेशान, त्योहार के कारोबार पर असर

तेंदूखेड़ा। दीपावली से पहले जबलपुर रोड पर सड़क चौड़ीकरण का अधूरा काम व्यापारियों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। खुदाई के बाद मार्ग पर डस्ट और गिट्टी डाल दिए जाने से वाहनों के गुजरते ही धूल उड़ने लगती है। इससे दुकानदारों के

साथ ग्राहकों को भी परेशानी हो रही है। त्योहार के कारण बाजार में खरीदारी के लिए लोगों की आवाजाही बढ़ रही है, लेकिन धूल और अव्यवस्थित मार्ग के चलते व्यापार प्रभावित होने की आशंका है। स्थानीय दुकानदार रत्नेश जैन, सोनू राय, प्रियांशु जैन, डॉ. प्रदीप सिंह और शोएब खान का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण जरूरी है, लेकिन काम शुरू करके अधूरा छोड़ना उचित नहीं है।

त्योहार से पहले मिठाई-नमकीन पर खाद्य विभाग की नजर, 10 नमूने लिए



नर्मदापुरम। त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने और उपभोक्ताओं को शुद्ध सामग्री उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच अभियान शुरू कर दिया है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश एस. दियावार ने इटारसी स्थित मिठाई निर्माता एवं विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान नावेल्टी स्वीट और राजस्थान स्वीट से मिठाई, नमकीन, सोन पापड़ी और मठरी सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के 10 नमूने जांच के लिए लिए गए। विभाग द्वारा नमूनों को राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। जांच रिपोर्ट में गुणवत्ता संबंधी गड़बड़ी मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने दुकानदारों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

90 हजार रुपए के पटाखे जब्त

दीपावली से पहले प्रशासन और पुलिस ने पटाखों के अवैध भंडारण व परिवहन के दो मामलों में कार्रवाई की। पहली कार्रवाई ग्वालटोली के संजय नगर में की गई, जहां एक घर से पटाखों के आठ कार्टन मिले। इनकी कीमत करीब 60 हजार रुपये बताई गई है। दूसरी कार्रवाई भोपाल तिराहे पर जांच के दौरान हुई, जहां तीन पहिया लोडिंग ऑटो से पटाखों के नौ कार्टून जब्त किए गए। इनकी कीमत करीब 30 हजार रुपए आंकी गई। पुलिस ने इस मामले में देवदास हरियाले और धर्मेन्द्र मालवी को पकड़ा तथा लोडिंग ऑटो भी जब्त किया। दोनों स्थानों से कुल 17 कार्टन पटाखे जब्त किए गए, जिनकी कीमत करीब 90 हजार रुपए है। अभियान में प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस की संयुक्त भूमिका रही।

पटाखा की जांच की भी उठी मांग

दीपावली से पहले पटाखों के अवैध भंडारण और परिवहन के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई के बाद शहर में बड़े भंडारों की जांच को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। लोगों का कहना है कि पटाखों का असुरक्षित भंडारण किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। ऐसे में प्रशासन को छोटे स्तर पर पटाखे रखने वालों के साथ-साथ बड़े पैमाने पर भंडारण करने वालों की भी जांच करनी चाहिए। लोगों के अनुसार, सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए सभी स्तरों पर निगरानी जरूरी है। केवल कुछ स्थानों पर कार्रवाई करने से संभावित खतरे पूरी तरह समाप्त नहीं होंगे। दीपावली के दौरान पटाखों की मांग बढ़ने से भंडारण और परिवहन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

बांस काटने जा रहे युवक के सिर पर लाठी से हमला, अस्पताल में भर्ती

पटपरा के पास कहासुनी के बाद बढ़ा विवाद, डायल 112 की मदद से घायल को पहुंचाया अस्पताल तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र के महगुवां कला गांव में कहासुनी के बाद एक युवक पर लाठी से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना में 32 वर्षीय बलदेव बंसकार पिता डबल गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

जानकारी के अनुसार, बलदेव अपने साथी रामजी यादव के साथ बांस काटने के लिए सेलवाड़ा जा रहा था। महगुवां कला से करीब दो किलोमीटर दूर पटपरा के पास उसकी बुजेश गोंड से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर गाली-गलौज शुरू हो गई। इसी दौरान गुस्से में आकर बुजेश ने बलदेव के सिर पर लाठी से प्रहार कर दिया, जिससे वह



घायल होकर गिर पड़ा। घटना के समय मौजूद रामजी यादव ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस वाहन मौके पर पहुंचा और घायल को अस्पताल ले जाया गया। ड्यूटी डॉक्टर ने उसका प्राथमिक उपचार किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिर में गंभीर चोट, जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर परिजनों के अनुसार निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो नगर के वार्ड क्रमांक 9 में सोमवार रात करीब 9 बजे घर के सामने टहल रहे 62 वर्षीय कन्हई पिता धनराज यादव को तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में वृद्ध के सिर में गंभीर चोट आई। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जबलपुर रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, कन्हई यादव खाना खाने के बाद घर के सामने टहल रहे थे। इसी दौरान जनपद कार्यालय की ओर से आ रही बाइक ने उन्हें सामने से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वृद्ध सिर के



बल सड़क पर गिर पड़े। परिजनों के अनुसार, उन्हें जबलपुर के एक निजी अस्पताल के आईसीयू में ऑक्सीजन पर रखा गया है और हालत नाजुक बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बाइक चालक के पटवारी होने और कथित रूप से शराब के नशे में होने का आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सड़क किनारे मवेशी, निर्माण सामग्री और बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण आवागमन प्रभावित होता है। सड़क चौड़ीकरण के चलते भी कई जगह जाम की स्थिति बन रही है। लोगों ने यातायात व्यवस्था सुधारने और तेज रफ्तार वाहनों पर कार्रवाई की मांग की है।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर चाकू मारा

जबलपुर। शराब पीने के लिए दो हजार रुपये देने से मना करने पर तीन बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से कई वार किए, फिर गोली मार दी। वारदात में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लार्डगंज पुलिस ने आरोपितों के विरुद्ध हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, सुपर मार्केट गंजीपुरा निवासी तरुण मिरो उर्फ अनुपम (26) सोमवार रात अपने दोस्त आशु साहू के साथ बड़ा फुहारा से समोसे लेकर मोपेड से लौट रहा था। दोनों साहू मोहल्ला पहुंचे, तभी सत्या सिंह राजपूत, सत्यम साहू और वीरू संग्राम ने उन्हें रोक लिया। तीनों ने शराब पीने के लिए दो हजार रुपये मांगे। तरुण के मना करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।



समय से पहले जन्मे कम वजन के शिशु का आधुनिक पद्धति से उपचार, डॉ. विजया जायसवाल और उनकी टीम की सराहनीय उपलब्धि

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

रानी दुर्गावती महिला चिकित्सालय (एल्विन अस्पताल) की नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एसएनसीयू) में चिकित्सकों ने आधुनिक तकनीक से गंभीर नवजात के उपचार में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। समय से पहले जन्मे अत्यंत कम वजन के शिशु को सांस लेने में गंभीर परेशानी थी। चिकित्सकों ने उसका उपचार एलआईएसए तकनीक से किया, जिसमें वेंटिलेटर पर रखे बिना दवा सीधे फेफड़ों तक पहुंचाई गई।

यह उपचार शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विजया जायसवाल ने सिस्टर हेमलता और सिस्टर नूतन के सहयोग से किया। इस उपलब्धि पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी, अस्पताल अधीक्षक डॉ. नीता पाराशर और एसएनसीयू प्रभारी डॉ. पल्लवी लोंडे सहित वरिष्ठ चिकित्सकों ने टीम की सराहना की। डॉ. जायसवाल के अनुसार, समय से पहले जन्मे बच्चों के फेफड़े पूरी तरह विकसित

न्यूज विंडो

त्योहारों से पहले खाद्य विभाग की कार्रवाई
दूध-मावा-मिठाई समेत 14 नमूने लिए



धार। त्योहारों के दौरान मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जिले में जांच अभियान तेज कर दिया है। विभागीय टीम ने धार, पौथमपुर, सरदारपुर और राजोद में डेयरी, मिठाई दुकानों व रेस्टोरेंट का निरीक्षण कर दूध, मावा, पनीर, घी, मिठाई, नमकीन और तेल सहित 14 नमूने लिए। इन्हें जांच के लिए भोपाल स्थित राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है।

डेयरी, मिठाई दुकानों व रेस्टोरेंट का निरीक्षण, रिपोर्ट के आधार पर हेगी कार्रवाई

कलेक्टर राजीव रंजन मीणा के निर्देश पर अभिलिखित अधिकारी डॉ. अनिता सिंगारे के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राम गोपाल मऊठा और सुभाष खेड़कर ने कार्रवाई की। टीम ने दूध के चार, मावा के दो, मिठाई के तीन तथा घी, पनीर, हल्दी पाउडर, सोयाबीन तेल और सेब का एक-एक नमूना लिया। धार के दूध संकलन केंद्रों और डेयरी, पौथमपुर की मिठाई दुकान तथा किराना स्टोर, राजोद के रेस्टोरेंट और लालबिरिया के महाकाल रेस्टोरेंट से नमूने एकत्र किए गए। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान संचालकों को साफ-सफाई और स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए।

बुलेट के पटाखे जैसे शोर पर पुलिस का शिकंजा, अवैध साइलेंसर जब्त



धार। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ यातायात पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। यातायात प्रभारी प्रेम सिंह ठाकुर के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान 15 रॉयल एनफील्ड (बुलेट) मोटरसाइकिलों की जांच की गई। इसमें नियम विरुद्ध साइलेंसर लगे दो वाहनों से साइलेंसर जब्त किए गए। पुलिस ने गलत नंबर प्लेट वाले तीन वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई भी की। इसके अलावा एक यामाहा आर- 15 स्पोर्ट्स बाइक जब्त की गई। अभियान के दौरान कुल 3,500 रुपए का समन

शुल्क वसूला गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई का उद्देश्य यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना है। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे मोटरसाइकिलों में कंपनी के निर्धारित मानक वाले साइलेंसर का ही उपयोग करें और नंबर प्लेट नियमानुसार लगाएं।

वेंटिलेटर के बिना ही नन्हीं जान को मिली नई उम्मीद एल्विन अस्पताल में LISA तकनीक से सफल इलाज



नहीं होते, जिससे उन्हें सांस लेने में परेशानी हो सकती है। ऐसे मामलों में एलआईएसए तकनीक उपयोगी साबित हो सकती है। इसके माध्यम से सर्फैक्टेंट दवा पतली नली से फेफड़ों तक पहुंचाई जाती है और बच्चे को स्वयं सांस लेने में सहायता दी जाती है। सरकारी अस्पताल में इस आधुनिक तकनीक का सफल प्रयोग नवजात

शिशुओं को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि, यह तकनीक हर शिशु के लिए उपयुक्त नहीं होती और उपचार का निर्णय विशेषज्ञ बच्चे की स्थिति के अनुसार लेते हैं। एलआईएसए यानी लैस इनवेसिव सर्फैक्टेंट एडमिनिस्ट्रेशन एक आधुनिक उपचार पद्धति है। इसका उपयोग विशेष रूप से समय से पहले जन्मे उन शिशुओं में किया जाता है, जिनके फेफड़ों में सर्फैक्टेंट की कमी के कारण सांस लेने में परेशानी होती है। सर्फैक्टेंट फेफड़ों को फैलाए रखने और सांस लेने की प्रक्रिया में मदद करता है। इस तकनीक में एक पतली नली के माध्यम से दवा सीधे फेफड़ों तक पहुंचाई जाती है। प्रक्रिया के दौरान शिशु को स्वयं सांस लेने में सहायता दी जाती है। इसका उद्देश्य पारंपरिक तरीके से स्वसन नली डालकर वेंटिलेटर पर रखने की ज़रूरत को कम करना है। हालांकि, तकनीक का उपयोग बच्चे की स्थिति और विशेषज्ञ चिकित्सक के आकलन के आधार पर किया जाता है।

घरेलू विवाद में डंडे, मुंगरिया से पीटकर की हत्या, वारदात छिपाने खुद दर्ज कराई थी रिपोर्ट

सागर में अंधे कत्ल का खुलासा, बड़े भाई का हत्यारा निकला सगा छोटा भाई

सागर। दोपहर मेट्रो

बीना थाना पुलिस ने अंधे कत्ल का खुलासा करते हुए मृतक के छोटे भाई पंकज अहिरवार को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, घरेलू विवाद के चलते आरोपी ने अपने बड़े भाई नीरज अहिरवार (42) के साथ डंडे और मुंगरिया से मारपीट की थी, जिससे उसकी मौत हो गई। वारदात छिपाने के लिए आरोपी ने खुद ही पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पुलिस के मुताबिक, 24 अक्टूबर को पंकज निवासी आंचवल वार्ड ने सूचना दी कि उसका भाई नीरज 23 अक्टूबर की रात अंडे का ठेला बंद कर घर आया था। देर रात नीरज घर से निकला और वापस नहीं लौटा। तलाश के दौरान वह श्री हरि मेडिकल के नीचे सड़क पर घायल अवस्था में मिला। परिजन उसे घर ले आए, लेकिन कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने



शराब पीने, पैसे नहीं देने को लेकर हुआ था विवाद

बीना में नीरज अहिरवार की मौत के मामले में पुलिस जांच के दौरान घरेलू विवाद की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार, मृतक नीरज की शराब पीने की आदत और घर पर पैसे नहीं देने को लेकर उसके छोटे भाई पंकज अहिरवार से विवाद हुआ था। इसी दौरान गुस्से में आकर पंकज ने कथित तौर पर डंडे और मुंगरिया से नीरज पर हमला कर दिया। मारपीट में नीरज को कई जगह चोट आई। बाद में उसकी मौत हो गई। शुरुआत में घटना के कारण स्पष्ट नहीं थे, इसलिए पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। घटनास्थल के निरीक्षण, वैज्ञानिक साक्ष्यों और पृच्छाछ के आधार पर पुलिस ने मामले की कड़ियां जोड़ीं। जांच में आरोपी की भूमिका सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

घटनास्थल का निरीक्षण कराया, डॉंग स्क्वाड और एफएसएल की मदद ली तथा साक्ष्यों का विश्लेषण किया। पृच्छाछ में पंकज ने घरेलू विवाद में मारपीट करना स्वीकार किया। पुलिस के अनुसार, नीरज की शराब पीने की आदत और घर पर पैसे नहीं देने को लेकर दोनों भाइयों में

विवाद हुआ था। आरोपी ने घटना की वास्तविकता छिपाने के लिए चोटों के कारणों की जानकारी नहीं होने की बात कही थी। साक्ष्यों और पृच्छाछ के आधार पर पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

खुद फरियादी बनकर दर्ज कराई थी रिपोर्ट

पुलिस के अनुसार, वारदात के बाद आरोपी पंकज अहिरवार ने घटना की वास्तविकता छिपाने का प्रयास किया। उसने पुलिस को बताया था कि उसे जानकारी नहीं है कि उसके बड़े भाई नीरज को चोटें गिरने, दुर्घटना या मारपीट में कैसे लगीं। उसने स्वयं रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले की मर्ग जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया और डॉंग स्क्वाड तथा एफएसएल से मिली जानकारी के आधार पर साक्ष्य जुटाए। संबंधित लोगों के बयान दर्ज कर तथ्यों का विश्लेषण किया गया।

इंदौर में विवाहिता की मौत पर मचा बवाल मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

परिजनों ने शरीर पर चोट के निशान होने का किया दावा; पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

धमनोद। दोपहर मेट्रो

महेश्वर रोड निवासी 33 वर्षीय विवाहिता सपना मालवीय की जहर पीने के बाद इलाज के दौरान इंदौर के एमवाय अस्पताल में मौत हो गई। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर मारपीट और हत्या का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगा।

जानकारी के अनुसार, सपना पति जितेंद्र मालवीय ने सोमवार सुबह जहर पी लिया था। उसे सुबह 6:55 बजे धामनोद के शासकीय अस्पताल लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया, जहां



उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सपना के दो बेटे हैं। उसका मायका खरगोन जिले के रायबिड़पुरा में है। मृतका के मायके वालों का आरोप है कि उन्हें सोमवार दोपहर करीब दो बजे मौत की सूचना दी गई। परिजनों ने दावा किया कि ससुराल पक्ष ने उन्हें रातभर घर में प्रवेश नहीं करने दिया और शव भी नहीं देखने दिया। सुबह अस्पताल में शव देखने पर उन्होंने शरीर पर चोट के निशान होने की बात कही। मृतका की मां

गायत्री मालवीय के अनुसार, बेटी के साथ पहले हुई मारपीट के फोटो और वीडियो भी उनके पास हैं। परिवार ने आशंका जताई कि सपना के साथ मारपीट के बाद उसे जहर दिया गया। सुबह करीब 10 बजे पुलिस की मौजूदगी में शव अंतिम संस्कार के लिए पति जितेंद्र को सौंपा गया। थाना प्रभारी संतोष सिंह यादव ने मायके पक्ष को जांच का आश्वासन दिया है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

जंगल में जुआ खेलते 5 आरोपी पकड़े, 1.31 लाख रुपए जब्त

धार पुलिस की दबिश, जुआ संचालित करने वाले तीन अन्य लोगों के नाम भी आए सामने

धामनोद/धार। दोपहर मेट्रो

धामनोद। महेश्वर रोड निवासी 33 वर्षीय विवाहिता सपना मालवीय की जहर पीने के बाद इलाज के दौरान इंदौर के एमवाय अस्पताल में मौत हो गई। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर मारपीट और हत्या का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगा।

जानकारी के अनुसार, सपना पति जितेंद्र मालवीय ने सोमवार सुबह जहर पी लिया था। उसे सुबह 6:55 बजे धामनोद के शासकीय अस्पताल लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में इंदौर



रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सपना के दो बेटे हैं। उसका मायका खरगोन जिले के रायबिड़पुरा में है। मृतका के मायके वालों का आरोप है कि उन्हें सोमवार दोपहर करीब दो बजे मौत की सूचना दी गई। परिजनों ने दावा किया कि ससुराल पक्ष ने उन्हें रातभर घर में प्रवेश नहीं करने दिया और शव भी नहीं देखने दिया। सुबह अस्पताल में शव देखने पर उन्होंने शरीर पर चोट के निशान होने की बात कही। मृतका की मां गायत्री मालवीय के अनुसार, बेटी के साथ पहले हुई मारपीट के फोटो और वीडियो भी उनके पास हैं।

बैहर में बैगा जनजाति के बच्चों की मौतों का सिलसिला जारी, अब तक 55 ने तोड़ा दम

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के बैहर-बिरसा क्षेत्र में बैगा जनजाति के बच्चों की मौत के नए मामले सामने आने से चिंता बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, बीते एक सप्ताह के भीतर तीन बच्चों की मौत हुई है।

बैहर विधायक संजय उड्के ने दावा किया है कि अब तक 55 बच्चों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बच्चों की मौत के मामलों को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली, स्वास्थ्य सुविधाओं और प्रभावित परिवारों को मुआवजा दिए जाने की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। वहीं, मौतों के नए मामले सामने आने के बाद बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति और मृत्यु के कारणों की जांच को लेकर फिर चर्चा तेज हो गई है।



NAME CHANGE NOTICE
My old name Akbar Ali Syed. I have changed my name my new name is Akbar Ali. I will be known by my new name Akbar Ali Address: Ward No. 9, Near Durga Stage, New Minas, 66 Qtr, Damma, Chhindwara (MP)

मेट्रो एंकर

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने केंद्रीय जेल सागर का निरीक्षण कर बंदियों से किया संवाद

आर्थिक कठिनाइयों के कारण कोई भी बंदी न्याय प्राप्त करने से वंचित न रहे

सागर। दोपहर मेट्रो

आर्थिक कठिनाइयों के कारण कोई भी बंदी न्याय पाने से वंचित न रहे। पात्र बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराकर उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए। यह निर्देश प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एम.के. शर्मा ने केंद्रीय जेल सागर के निरीक्षण के दौरान दिए। उन्होंने बंदियों से संवाद कर उनकी कानूनी समस्याओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश ने जेल के महिला वार्ड का जायजा लिया। उन्होंने महिला बंदियों से उनके प्रकरणों में अपील और जमानत आवेदनों की स्थिति के बारे में चर्चा की। उन्होंने संबंधित



अधिकारियों को निर्देशित किया कि विधिक सहायता के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र बंदियों को लाभान्वित किया जाए। साथ ही, बंदियों को समय पर कानूनी सहायता उपलब्ध कराने और उनकी समस्याओं का नियमानुसार निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इसके बाद जेल उद्योग परिसर

में उपस्थित बंदियों को संबोधित करते हुए न्यायाधीश ने उन्हें उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक अभाव न्याय प्राप्त करने में बाधा नहीं बनना चाहिए। पात्र बंदी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बंदियों को

उचित उपचार और आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की ज़रूरत भी बताई।

कमजोर बंदियों को अधिवक्ता उपलब्ध कराने में सहयोग

कार्यक्रम में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अंकलेश्वर दुबे ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों

अभिषेक-वैभव के आंधी में उड़ गए कीवी गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी

199 रनों का लक्ष्य, 40 गेंद बाकी और जीत का ऐसा तूफानी अंदाज कि अंपायर भी ओवर में गेंदों की गिनती दोबारा जांचने लगे। अभिषेक शर्मा के बल्ले से निकले शतकीय तूफान और वैभव सूर्यवंशी की आतिशी बल्लेबाजी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को ऐसा धोया कि उनके पास बचाव का मौका तक नहीं था। भारत ने 13.2 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। लेकिन वेलिंगटन की यह जीत सिर्फ स्कोरकार्ड की कहानी नहीं है। यह भारतीय टी20 क्रिकेट के उस नए मिजाज का एलान है, जिसमें विरोधी के बड़े स्कोर को भी बौना बनाने का दम है।

क्रिकेट में बल्लेबाजों के बल्ले से चौके-छक्के बरसते आपने खूब देखे होंगे, लेकिन वेलिंगटन में जो हुआ, वह अलग ही कहानी है। मैदान पर ऐसा कहर टूटा

कि ओवर की पांच गेंदें ही हुई थीं और अंपायर ओवर खत्म करने की ओर बढ़ने लगे। बाद में ऊपर से जांच की गई और पता चला कि छठी वैध गेंद अभी बाकी है। सोचिए, बल्लेबाजों का हमला कितना जबरदस्त रहा होगा कि गेंदों की गिनती तक दोबारा जांचनी पड़ी! न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 198/3 रन बनाए थे। उसके लिए यह एक मजबूत स्कोर था। लेकिन भारतीय बल्लेबाजों के इरादे कुछ और ही थे। 199 रनों का लक्ष्य सामने था और अभिषेक शर्मा तथा वैभव सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही ऐसी मारकाट मचाई कि न्यूजीलैंड के गेंदबाजों की सारी योजनाएं धरी रह गई। भारत ने महज 13.2 ओवरों में 199 रन बनाकर छह विकेट से जीत दर्ज कर ली। यानी 40 गेंदें बाकी रहते ही मुकाबला खत्म! टी20 में इससे ज्यादा विस्फोटक अंदाज की कल्पना करना भी मुश्किल है।

14 गेंदों में टीम इंडिया की फिफ्टी

भारतीय ओपनरों ने पहली गेंद से ही न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि भारत ने केवल 2.2 ओवर यानी 14 गेंदों में टीम के 50 रन पूरे कर लिए। इस तूफानी शुरुआत ने टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज टीम फिफ्टी के रिकॉर्ड की बराबरी की। भारतीय बल्लेबाजों के इस अंदाज ने विपक्षी टीम को शुरुआती ओवरों में ही दबाव में ला दिया। भारत की बल्लेबाजी का सबसे बड़ा आकर्षण पावरप्ले का स्कोर रहा। टीम ने शुरुआती छह ओवरों में बिना कोई विकेट गंवाए 118 रन बनाए। इस दौरान बल्लेबाजों ने मैदान के चारों ओर आक्रामक शॉट लगाए और न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को वापसी का मौका नहीं दिया।



गंभीर का फैसला, टीम सर्वोपरि का संदेश

इस मुकाबले का एक अहम पहलू बल्लेबाजी क्रम में बदलाव भी रहा। अभिषेक शर्मा के साथ वैभव सूर्यवंशी ने पारी की शुरुआत की, जबकि संजु सैमसन तीसरे नंबर पर उतरे। एशियन गेम्स में भी अभिषेक और वैभव की जोड़ी ने ओपनिंग की थी। उस समय वीवीएस लक्ष्मण के मार्गदर्शन में अपनाए गए इस संयोजन की याद वेलिंगटन में ताजा हो गई। गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन के लिए यह फैसला खिलाड़ियों की भूमिका और टीम के संयोजन को लेकर सोच का संकेत है। संजु को तीसरे नंबर पर भेजना और वैभव को ओपनिंग देना बताता है कि टीम की जरूरत के मुताबिक बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया जा सकता है। क्रिकेट में किसी खिलाड़ी को एक तय स्थान पर बांध देना हमेशा सही नहीं होता। लेकिन जब किसी युवा बल्लेबाज को उसकी ताकत के मुताबिक भूमिका मिलती है, तो उसका असर मैदान पर दिखाई दे सकता है। वैभव की 19 गेंदों में 45 रन की पारी इसका उदाहरण है। इसे गंभीर की दरियादिली कहें या टीम के हित को प्राथमिकता देने की सोच, सबसे अहम बात यही है कि फैसला काम करता दिखा। आखिरकार टीम सर्वोपरि है। किसी एक खिलाड़ी की भूमिका से ज्यादा जरूरी वह संयोजन है, जो भारत को जीत दिलाए।

भारत को सीरीज में हराना आसान नहीं, यह जीत उसका सबूत

पांच मैचों की सीरीज में भारत ने 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। न्यूजीलैंड के लिए अब सीरीज में वापसी की गुंजाइश नहीं बची, लेकिन भारत के लिए यह जीत आत्मविश्वास बढ़ाने वाली है। अभिषेक शर्मा का शतक, वैभव सूर्यवंशी की आतिशी पारी और टीम प्रबंधन का बल्लेबाजी क्रम में बदलाव- तीनों ने मिलकर इस मुकाबले को खास बना दिया। यह भारतीय टीम की उस ताकत का प्रदर्शन था, जिसमें एक बल्लेबाज के रुकने से दूसरा हमला नहीं रोकता। वेलिंगटन में न्यूजीलैंड ने 198 रन बनाए, लेकिन भारत ने बता दिया कि टी20 में अब सिर्फ बड़ा स्कोर खड़ा करना काफी नहीं है। सामने ऐसी टीम हो, जिसके बल्लेबाज पहली गेंद से हमला करने का इरादा लेकर उतरे, तो 199 रन भी छोटे पड़ सकते हैं।

आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स में बड़े बदलाव की तैयारी! धोनी-जहीर की मुलाकात पर टिकी नजरें 28.40 करोड़ के दो खिलाड़ियों पर संकट

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स में बड़े बदलावों की चर्चा तेज हो गई है। पिछले सत्र में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद फ्रेंचाइजी अब अपनी टीम को नए सिरे से तैयार करने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी बीच नए मुख्य प्रशिक्षक जहीर खान और पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की प्रस्तावित मुलाकात को अहम माना जा रहा है। खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखने की अंतिम समयसीमा से पहले होने वाली इस बैठक में टीम संतुलन, खिलाड़ियों के भविष्य और अगले सत्र की रणनीति पर चर्चा होने की संभावना है।

चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशिक्षक दल में बदलाव के बाद जहीर खान के सामने टीम को मजबूत बनाने की चुनौती है। स्टीफन फ्लेमिंग के जाने के बाद टीम प्रबंधन को नई रणनीति तैयार करनी होगी। खबरों के मुताबिक, जहीर खान मुंबई में धोनी से मुलाकात कर सकते हैं। इस बैठक में किन खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखना है और किन्हें बाहर करना है, इस पर विचार होने की संभावना है। हालांकि, फ्रेंचाइजी की ओर से बैठक के एजेंडे या किसी अंतिम फैसले की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।



प्रशांत-कार्तिक शर्मा पर बड़ा सवाल

चेन्नई सुपर किंग्स के दो युवा खिलाड़ियों प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है। फ्रेंचाइजी ने पिछली बड़ी नीलामी में दोनों खिलाड़ियों पर 14.20-14.20 करोड़ खर्च किए थे। इस तरह दोनों पर कुल 28.40 करोड़ का निवेश किया गया। प्रशांत वीर बाएं हाथ के फिरकी गेंदबाज और हरफनमौला खिलाड़ी हैं। उन्हें भविष्य में टीम के लिए अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, कार्तिक शर्मा विकेटकीपर और बल्लेबाज हैं, जिनसे बल्लेबाजी क्रम को मजबूती देने की उम्मीद है। दोनों खिलाड़ियों पर बड़ी रकम खर्च किए जाने के कारण उनके प्रदर्शन और टीम में भूमिका की समीक्षा महत्वपूर्ण हो सकती है। हालांकि, उन्हें टीम में बनाए रखा जाएगा या बाहर किया जाएगा, इस बारे में अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

धोनी के भविष्य पर भी निगाहें

चेन्नई के प्रशासकों के लिए महेंद्र सिंह धोनी की उपलब्धता भी बड़ा सवाल है। यदि धोनी अगले सत्र में खेलते हैं, तो टीम को उनकी भूमिका और शारीरिक फिटनेस के हिसाब से रणनीति बनानी होगी। उनकी मौजूदगी युवा खिलाड़ियों को अनुभव देने में भी महत्वपूर्ण हो सकती है। चेन्नई सुपर किंग्स के सामने अगले सत्र में बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती है। टीम प्रबंधन को अनुभवी खिलाड़ियों, युवा प्रतिभाओं और उपलब्ध बजट के बीच संतुलन बनाना होगा। प्रशिक्षक दल में बदलाव के बाद अब खिलाड़ियों को लेकर फैसले अहम हो सकते हैं। फिलहाल प्रशांत वीर, कार्तिक शर्मा और धोनी के भविष्य पर चर्चाएं जारी हैं। चेन्नई सुपर किंग्स की आधिकारिक खिलाड़ी सूची सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि टीम किन खिलाड़ियों के साथ आगे बढ़ेगी और अगले सत्र के लिए उसकी रणनीति क्या होगी।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

अश्लील एआई वीडियो पर भड़कीं अभिनेत्री सुनैना, डीपफेक बनाने वालों को अल्टीमेटम!

दक्षिण भारतीय सिनेमा की अभिनेत्री सुनैना के चेहरे का इस्तेमाल कर अश्लील AI डीपफेक वीडियो बनाए जाने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर कथित तौर पर प्रसारित हो रहे इस फर्जी वीडियो को लेकर अभिनेत्री ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि वीडियो बनाने, प्रकाशित करने और उसे फैलाने वालों के खिलाफ आपराधिक और सिविल कार्रवाई की जाएगी। इतना ही नहीं, वीडियो को आगे शेयर करने वालों को भी जिम्मेदार ठहराने की बात कही है।



अभिनेत्री सुनैना ने इंस्टाग्राम पर एक बयान जारी कर इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर एक AI वीडियो प्रसारित किया जा रहा है, जिसमें

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से उनके चेहरे को अश्लील सामग्री पर लगाया गया है। सुनैना ने इस हरकत को अपनी निजता, पहचान और गरिमा का गंभीर उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की सामग्री ने केवल अपमानजनक है, बल्कि इससे किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा और मानसिक शांति पर भी असर पड़ सकता है। अभिनेत्री ने अपने बयान में कहा कि वह इस घटना और दुर्भावनापूर्ण हरकत से स्तब्ध और बेहद परेशान हैं। उन्होंने इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए इसे यौन उत्पीड़न और मानहानि से जुड़ा गंभीर मामला बताया। सुनैना ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 का उल्लेख करते हुए कहा कि इस तरह की हरकतों के खिलाफ कानूनी कदम उठाए जा सकते हैं।

वीडियो शेयर करने वालों को भी चेतावनी

सुनैना ने केवल वीडियो बनाने वालों को ही नहीं, बल्कि उसे आगे फैलाने वालों को भी चेताया है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ बिना किसी अतिरिक्त नोटिस के कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। अभिनेत्री ने अपने प्रशंसकों, शुभचिंतकों और मीडिया से अपील की कि वे इस वीडियो को साझा न करें। यदि किसी प्लेटफॉर्म पर ऐसी सामग्री दिखाई देती है, तो उसे आगे भेजने के बजाय संबंधित प्लेटफॉर्म पर रिपोर्ट करें। इस घटना ने एक बार फिर AI तकनीक के दुरुपयोग और महिलाओं की डिजिटल सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। डीपफेक के जरिए किसी व्यक्ति के चेहरे का गलत इस्तेमाल उसकी निजता और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकता है।



मेट्रो बाजार

मुंबई। ऑटोमोटिव सेक्टर की कंपनी स्टर्लिंग टूल्स ने वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-अक्टूबर) के नतीजे जारी किए। कंपनी का स्टैंडअलोन 225.89 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले वर्ष समान तिमाही में 169.93 करोड़ थी। तिमाही आधार पर भी इसमें 13.28 प्रतिशत का उछला दर्ज किया गया है। यह वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही आधार पर भी कंपनी के मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में यह 16.40 करोड़

स्टर्लिंग टूल्स का मुनाफा दूसरी तिमाही में करीब 31 प्रतिशत गिरा आय 226 करोड़ रुपए रही

रुपए था। कंपनी की ओर से दायर की गई एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया कि वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में उसकी परिचालन से आय सालाना आधार पर 32.93 प्रतिशत बढ़कर 225.89 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले वर्ष समान तिमाही में 169.93 करोड़ थी। तिमाही आधार पर भी इसमें 13.28 प्रतिशत का उछला दर्ज किया गया है। यह वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही आधार पर भी कंपनी के मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में यह 16.40 करोड़

वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में कंपनी का खर्च 35.16 प्रतिशत बढ़कर 210.29 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में 155.58 करोड़ रुपए था। तिमाही आधार पर भी इसमें 16.89 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में यह 179.89 करोड़ रुपए था। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में कंपनी का नेट केश फ्लो -29.25 करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछली वर्ष की समान तिमाही में 9.09 करोड़ रुपए था।

पेटीएम का मर्चेंट विस्तार भुगतान क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा की चिंताओं को कर रहा कम: बर्नस्टीन

नई दिल्ली। भारत के डिजिटल भुगतान बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को लेकर चिंताओं के बीच पेटीएम अपने मर्चेंट पेमेंट कारोबार का लगातार विस्तार कर रहा है, जिससे ये प्रतिस्पर्धा कम हो रही है। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन ने फिनटेक कंपनी पर अपनी 'आउटपरफॉर्म' रेटिंग बरकरार रखी है और इसके लिए 2,200 रुपए का लक्ष्य तय किया है। पेटीएम के वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजों पर अपनी ताजा रिपोर्ट में बर्नस्टीन ने कहा कि कंपनी ने सितंबर तिमाही के दौरान लगभग 7 लाख मर्चेंट डिवाइस जोड़े। यह हाल की तिमाहियों में हुए डिवाइस जोड़ने से प्रतिस्पर्धा बढ़ने को लेकर चिंताएं कम हो रही हैं। पेटीएम का मर्चेंट डिवाइस नेटवर्क बढ़कर 1.64 करोड़ हो गया है, जो कारोबारियों के बीच कंपनी की बढ़ती पहुंच को दर्शाता है। कंपनी ने उपभोक्ताओं की बढ़ती

भागीदारी की भी जानकारी दी। मासिक लेनदेन करने वाले यूजर्स की संख्या पिछली तिमाही के मुकाबले 50 लाख और सालाना आधार पर एक करोड़ बढ़कर 8.5 करोड़ हो गई। बर्नस्टीन ने उपभोक्ता गतिविधियों में तेज वृद्धि को एक और सकारात्मक संकेत बताया। इसके पता चलता है कि पेटीएम अपने भुगतान इकोसिस्टम में यूजर्स की भागीदारी को लगातार मजबूत कर रही है। ब्रोकरेज ने परिचालन खर्च में वृद्धि को लेकर चिंता जताई, लेकिन पेटीएम के वित्तीय प्रदर्शन में परिचालन लाभ बढ़ने के संकेत दिखाई दिए। कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर 2,648 करोड़ रुपए हो गया, जबकि एबिटा 90 प्रतिशत बढ़कर 270 करोड़ रुपए रहा। अप्रत्यक्ष खर्च में कुल राशि के लिहाज से वृद्धि हुई, लेकिन राजस्व के अनुपात में यह एक साल पहले के 52 प्रतिशत से घटकर लगभग 46 प्रतिशत रह गया।

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी की तैयारी में हैं। मंगलवार को फिल्म के मेकर्स ने इसका नया पोस्टर जारी कर प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा दिया। पोस्टर में शाहरुख खान का अंदाज पहले से बिल्कुल अलग नजर आ रहा है। मुंह में गुलाब, हाथ में बंदूक और आंखों में खतरनाक तेवर लिए किंग खान का यह लुक फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा रहा है। फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। 'किंग' 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'कालि नही... आशिक हूं'।

मुंह में गुलाब, हाथ में बंदूक और आंखों में खौफ! शाहरुख खान के 'किंग' का धांसू पोस्टर आउट

इस टैगलाइन के साथ शाहरुख का इंटेस लुक फिल्म की कहानी में रोमांस और हिंसक एक्शन के अनोखे मेल की ओर इशारा करता है। हालांकि, फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। 'किंग' का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं, जो इससे पहले भी बड़े स्तर की एक्शन फिल्मों के लिए चर्चा में रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 1994 की फ्रेंच क्राइम फिल्म 'लियोन' द प्रोफेशनल से प्रेरित बताई जा रही है। फिल्म का टीजर शाहरुख खान के जन्मदिन यानी 2



नवंबर 2026 को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जारी किए जाने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, टीजर की रिलीज को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसमें शाहरुख खान अपनी बेटी सुहाना खान के साथ स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। वहीं, अभिषेक बच्चन मुख्य क्लेन की भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म में दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, रानी मुरजजी, जयदीप अहलावत, से जैक श्राफ, राघव जुवाल और अभय वर्मा भी अहम भूमिकाओं में हैं।

